RNI No. : TNHIN/2013/5252 ■ वर्ष - 13 ■ अंक - 125 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » शनिवार » 29-11-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 एसआईआर देशवासियों के खिलाफ बड़ी साजिश : अखिलेश यादव

6 स्क्रीन टाइम का फैलता जाल, बच्चे गहरे संकट में

7 'दिल्ली क्राइम 3' की सफलता का लुत्फ उठा रही शेफाली शाह

फर्स्ट टेक

हांगकांग की बहुमंजिला इमारत में आग : मृतकों की संख्या बढ़कर 128 हुई

हांगकांग/एपी। हांगकांग में एक बहुमंजिला आवासीय इमारत में भीषण आग लगने के बाद दमकलकर्मियों द्वारा अब भी इमारत में लोगों की तलाश की जा रही है। परिसर की आठ में से सात इमारतें पूरी तरह से भीषण आग की चपेट में आ गईं जिसके चलते कम से कम 128 लोगों की मौत हो गई। हांगकांग अग्निशमन विभाग के उपनिदेशक डेरेक आर्मस्ट्रांग चान ने बताया कि शुक्रवार को इमारतों से और शव बरामद किए गए जिससे मृतकों की संख्या बढ़कर 128 हो गई है। पीड़ितों की तलाश अब भी जारी है। जानकारी के अनुसार, बुधवार को 'वांग फुक कोर्ट कॉम्प्लेक्स' की आठ इमारतों में से एक में भीषण आग लग गई। आग की लपटें तेजी से फैलीं और सात इमारतें इसकी चपेट में आ गईं।

थाईलैंड में बाढ़ से मरने वालों की संख्या 145 तक पहुंची

बैंकाक/एपी। दक्षिणी थाईलैंड में बाढ़ से मरने वालों की संख्या कम से कम 145 तक पहुंच गई है और पानी का स्तर घटने से पूरे क्षेत्र में तबाही साफ नजर आ रही है। यह जानकारी अधिकारियों ने शुक्रवार को दी। आपदा निवारण और न्यूनीकरण विभाग ने शुक्रवार को बताया कि 12 दक्षिणी प्रांतों में भारी बारिश के कारण आई बाढ़ से 12 लाख से ज्यादा परिवार और 36 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। सरकारी प्रवक्ता सिरीपोंग अंगकासाकुलकियात ने बैंकाक में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि बाढ़ से आठ प्रांतों में 145 लोगों की मौत हो गई है। सोंगखला प्रांत में कम से कम 110 लोगों की मौत हो गई है। उन्होंने कहा कि बाढ़ का पानी कम होने के साथ ही तलाशी और बचाव अभियान में सफलता मिल रही है।

गोयल ने चाय उद्योग से पर्यावरण अनुकूल तरीके अपनाने को कहा

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि भारत के चाय क्षेत्र को पर्यावरण अनुकूल तरीके अपनाने चाहिए, जिम्मेदार श्रम मानकों सुनिश्चित करने चाहिए और देश में उच्च गुणवत्ता वाली चाय बनाए रखने के लिए उद्गम स्थल प्रणाली (ट्रेसेबिलिटी सिस्टम) को मजबूत करना चाहिए। उन्होंने अधिकतम अवशेष स्तर (एमआरएल) को कम रखने की भी अपील की। गोयल ने चाय क्षेत्र पर आयोजित एक सम्मेलन में कहा, ''उच्च गुणवत्ता वाली चाय और कम एमआरएल स्तर बनाए रखने के लिए पर्यावरण अनुकूल तरीके, जिम्मेदार श्रम मानक और लगातार नवाचार जरूरी है।''

29-11-2025 सूर्यास्त 5:39 बजे | 30-11-2025 सूर्योदय 6:14 बजे

BSE	NSE
85,706.67	26,202.95
(-13.71)	(-12.60)

सोना	चांदी
13,170 रु.	176,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

घायल लोकतंत्र

गरिमा हुई सिरे से गायब,
हुई सियासत जाति धर्म की।
कुछ बोल रहे संसद में,
फिक्र नहीं अब श्रेष्ठ कर्म की।
अमर्यादित बोल रहे वे,
लुटिया डूबी लाज शर्म की।
नेताओं को नहीं है चिंता,
घायल होते लोक मर्म की।।

'शांति और सत्य की स्थापना के लिए अत्याचारियों का अंत आवश्यक है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राष्ट्र की सुरक्षा नीति का मूल भाव यही है। हम 'वसुधैव कुटुंबकम' भी कहते हैं और 'धर्मो रक्षति रक्षितः' का मंत्र भी दोहराते हैं।

उडुप्पी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को यहां श्री कृष्ण मठ में कहा कि भगवान श्री कृष्ण ने गीता का संदेश युद्ध की भूमि पर दिया था और भगवद् गीता हमें सिखाती है कि शांति और सत्य की स्थापना के लिए अत्याचारियों का अंत भी आवश्यक है। यहां लक्ष कंठ गीता परायण (गीता के एक लाख श्लोकों के सामूहिक पाठ) में गीता के पुरुषोत्तम अध्याय के पाठ में शामिल होने के बाद लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, राष्ट्र की सुरक्षा नीति का मूल भाव यही है। हम 'वसुधैव कुटुंबकम' भी कहते हैं और 'धर्मो रक्षति रक्षितः' का मंत्र भी दोहराते हैं। उन्होंने कहा, हम लाल किले से श्री कृष्ण का करुणा का संदेश भी देते हैं और उसी प्राचीर से मिशन सुदर्शन चक्र की उद्घोषणा भी करते हैं। मिशन सुदर्शन चक्र यानी देश के औद्योगिक और सार्वजनिक क्षेत्रों की सुरक्षा की ऐसी दीवार बनाना जिसे दुश्मन भेद ना पाए। और यदि दुश्मन दुस्साहस दिखाए तो फिर हमारा सुदर्शन चक्र उसे तबाह कर दे।

प्रधानमंत्री ने कहा, ''ऑपरेशन सिंदूर की कार्रवाई में भी देश ने हमारा यह संकल्प देखा है। पहलगाम के आतंकी हमले में कई देशवासियों ने अपना जीवन गंवाया। इन पीड़ितों में मेरे कर्नाटक के भाई बहन भी थे।'' उन्होंने पिछली केंद्र सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा, पहले जब ऐसे आतंकी हमले होते थे तो सरकारें हाथ पर हाथ रखकर बैठ जाती थीं। लेकिन यह नया भारत है। यह ना किसी के आगे झुकता है और ना ही अपने नागरिकों की रक्षा के कर्तव्य से डिगता है। हम शांति की स्थापना करना भी जानते हैं और शांति की रक्षा करना भी जानते हैं। उन्होंने कहा, भगवान श्री कृष्ण की शिक्षा और उपदेश हर युग में व्यवहारिक है। गीता के शब्द सिर्फ व्यक्ति ही नहीं, राष्ट्र की नीति को भी दिशा देते हैं। भगवद् गीता में श्री कृष्ण ने लोक कल्याण के लिए कार्य करने का निर्देश दिया है। अपने पूरे जीवन में जगद्गुरु माधवाचार्य जी ने इन्हीं भावों के साथ भारत की एकता को सशक्त किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने गोवा में किया

भगवान राम की 77 फुट ऊंची प्रतिमा का अनावरण

पणजी/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को श्री संस्थान गोकर्ण जीवोत्तम मठ के 550 वर्ष पूरा होने पर आयोजित समारोहों के तहत गोवा में भगवान राम की 77 फुट ऊंची कांस्य प्रतिमा का अनावरण किया।

मोदी ने दक्षिण गोवा के पर्तगाली स्थित मठ के मंदिर का भी दौरा किया।

यह मठ भारत के सबसे पुराने मठों में से एक है, जो अपने आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक योगदान के लिए जाना जाता है और इसका सारस्वत समुदाय में प्रमुख स्थान है।

गोवा के लोक निर्माण विभाग मंत्री दिगंबर कामत ने बताया कि गुजरात में 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' (सरदार पटेल की प्रतिमा) का डिज़ाइन तैयार करने वाले मूर्तिकार राम सुतार ने भगवान राम की यह प्रतिमा बनाई है। उन्होंने कहा कि विश्व में भगवान राम की यह सबसे ऊंची प्रतिमा है।

गोवा के राज्यपाल अशोक गजपति राजू और मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत इस कार्यक्रम में उपस्थित थे।

शांति और वार्ता में विश्वास करता है भारत : राजनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि भारत शांति और वार्ता में विश्वास करता है, लेकिन जब राष्ट्र की संप्रभुता और सुरक्षा की बात आती है, तो वह कोई ''समझौता'' नहीं करता।

चाणक्य रक्षा संवाद में उन्होंने कहा, ''भारत की आर्थिक प्रगति, प्रौद्योगिकी क्षमताओं और सिद्धांतों का पालन करने वाली विदेश नीति ने इसे बदलते वैश्विक परिवेश में संतुलन और जिम्मेदारी की आवाज़ बना दिया है, और हिंद-प्रशांत तथा 'ग्लोबल साउथ' के देश हमें एक विश्वसनीय साझेदार के रूप में देखते हैं।''

'ग्लोबल साउथ' से तात्पर्य ऐसे देशों से है जिनका आर्थिक और औद्योगिक विकास अपेक्षाकृत कम हुआ है।

सिंह ने कहा कि भारत जिम्मेदारी की भावना, रणनीतिक स्वायत्तता और सभ्यतागत मूल्यों में निहित आत्मविश्वास के साथ वैश्विक चर्चाओं को आकार दे रहा है। उन्होंने कहा, ''भारत शांति और संवाद में विश्वास करता है, लेकिन जब बात लोगों की संप्रभुता और सुरक्षा की आती है, तो हम कोई समझौता नहीं करते।'' उन्होंने कहा कि भारत ने अग्रणी सुधारों और राष्ट्रों की संप्रभुता के सम्मान तथा नियम-आधारित व्यवस्था के प्रति अपने निरंतर रुख के कारण वैश्विक विश्वास अर्जित किया है।

रक्षा मंत्री ने कहा, ''हम सुरक्षा और संपर्क को मजबूत करने के लिए सीमा और समुद्री बुनियादी ढांचे को मजबूत कर रहे हैं। हम नए प्लेटफ़ॉर्म और प्रौद्योगिकियों और ढांचों के माध्यम से अपनी सेना का आधुनिकीकरण कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''हम गति, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए खरीद प्रक्रियाओं में सुधार कर रहे हैं।

रूस के राष्ट्रपति पुतिन चार दिसंबर से दो दिन की भारत यात्रा पर

नई दिल्ली/भाषा। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ वार्षिक शिखर वार्ता के लिए चार दिसंबर से भारत की दो दिवसीय यात्रा पर आ रहे हैं। इस शिखर वार्ता से द्विपक्षीय रणनीतिक संबंधों को और मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण परिणाम मिलने की उम्मीद है। विदेश मंत्रालय ने यात्रा की घोषणा करते हुए शुक्रवार को कहा कि यह भारत-रूस 'विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी' को मजबूत करने के लिए दृष्टिकोण स्थापित करेगा। इसमें कहा गया है, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निमंत्रण पर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन 23वीं भारत-रूस वार्षिक शिखर बैठक के लिए चार से पांच दिसंबर तक भारत की राजकीय यात्रा पर आएंगे।'' राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भी पुतिन का स्वागत करेंगी और उनके सम्मान में भोज आयोजित करेंगी।

कर्नाटक में नेतृत्व विवाद पर डी के शिवकुमार ने कहा

जल्दबाजी में नहीं, पार्टी फैसला करेगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया के साथ चल रहे सत्ता संघर्ष के बीच उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने शुक्रवार को कहा कि वह कुछ नहीं चाहते और जल्दबाजी में नहीं हैं।

जब कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष से पूछा गया कि क्या वह दिल्ली जाकर पार्टी आलाकमान से मिलेंगे तो उन्होंने सकारात्मक जवाब देते हुए कहा, दिल्ली हमारा मंदिर है।

शिवकुमार ने आंगनवाड़ी कार्यक्रम की स्वर्ण जयंती के अवसर पर आयोजित एक समारोह से इतर

संवाददाताओं से कहा, मुझे कुछ नहीं चाहिए। मैं जल्दबाजी में नहीं हूं। मेरी पार्टी निर्णय लेगी।

इस समारोह में उन्होंने मुख्यमंत्री के साथ मंच साझा किया।

शिवकुमार ने कहा कि वह एक दिसंबर से शुरू हो रहे संसद के शीतकालीन सत्र के मद्देनजर राष्ट्रीय राजधानी की यात्रा कर सकते हैं। इस की अटकलें लगायी जा रही हैं कि कांग्रेस आलाकमान ने मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री को नेतृत्व विवाद सुलझाने के लिए बुलाया है। कर्नाटक सरकार के हाल में अपने कार्यकाल का 50 प्रतिशत समय पूरा करने के बाद यह विवाद और बढ़ गया है।

राष्ट्रीय राजधानी की अपनी यात्रा के बारे में उन्होंने कहा, मैं दिल्ली जा सकता हूं। उन्होंने कहा, वहां मेरे पास बहुत काम है। संसद सत्र नजदीक आ रहा है। मुझे कर्नाटक के सभी सांसदों से मिलना है क्योंकि उन्हें हमारी कुछ परियोजनाओं पर काम करना है।

यह पूछे जाने पर कि क्या वह पार्टी आलाकमान से मिलेंगे, शिवकुमार ने कहा कि वह मिलेंगे। उन्होंने कहा, दिल्ली हमारा मंदिर है।

विदेशी नस्लों के कुत्तों पर रोक लगाई जाए : पेटा इंडिया

नई दिल्ली/भाषा। पशु अधिकार संगठन 'पेटा इंडिया' ने दिल्ली सरकार से विशेष रूप से आक्रामकता और अवैध लड़ाई के लिए पाले जाने वाले विदेशी नस्लों के कुत्तों को रखने, उनका प्रजनन कराने और बिक्री पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। पेटा इंडिया ने यह अनुरोध दिल्ली में पिटबुल प्रजाति के कुत्ते द्वारा छह साल के बच्चे पर हमला करने और उसे गंभीर रूप से घायल की घटना के बाद किया है। पेटा इंडिया ने दिल्ली के मुख्य सचिव और दिल्ली छावनी बोर्ड के सीईओ को लिखे पत्र में पिटबुल टेरियर, रोटवीलर, पाकिस्तानी बुली कुत्ता, डोगो अर्जेंटीनो, प्रेसा कैनारियो, फिला ब्रासीलीरोस, बुल टेरियर, केन कॉर्सो और एक्सएल बुली जैसी नस्लों पर प्रतिबंध लगाने की अपनी लंबे समय से चली आ रही मांग को दोहराया। संगठन ने कहा कि इन नस्लों को ''जानबूझकर लड़ाई और हमलों के लिए पाला जाता है'' और अक्सर ''ऐसे खरीदारों को बेच दिया जाता है जो बाद में उन्हें नियंत्रित करने में असमर्थ होते हैं।''

सभी 'थर्ड वर्ल्ड' देशों से प्रवासियों को स्थायी रूप से रोकेंगे : ट्रंप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

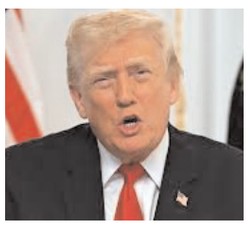

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन/भाषा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि वह सभी ''थर्ड वर्ल्ड'' देशों से आने वाले प्रवासियों को ''स्थायी रूप से रोक'' देंगे और उन विदेशी नागरिकों को देश से बाहर निकाल देंगे जो ''सुरक्षा के लिए खतरा'' साबित होते हैं। 'थर्ड वर्ल्ड' शब्द का इस्तेमाल आमतौर पर गरीब या पिछड़े देशों के लिए किया जाता है।

ट्रंप प्रशासन ने एक अफगान नागरिक रहमानुल्लाह लकनवाल द्वारा नेशनल गार्ड के दो सदस्यों पर गोलीबारी की घटना के बाद आव्रजन पर की जा रही कार्रवाई को और तेज कर दिया है। इस गोलीबारी में घायल हुई अमेरिकी सेना की विशेषज्ञ सारा बेकस्ट्रॉम (20) की मौत हो गई है जबकि अमेरिका वायु सेना के स्टाफ सॉर्जेंट एंड्रयू वोल्फ (24) की हालत गंभीर बनी हुई है।

ट्रंप प्रशासन ने कहा कि वह ''हर चिंताजनक स्थिति वाले देश'' से आए प्रवासियों को जारी सभी ग्रीन कार्ड की ''कड़े तरीके से'' पुनः समीक्षा करेगा।

ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट में कहा, ''हालांकि हम तकनीकी रूप से आगे बढ़े हैं लेकिन आव्रजन नीति ने उन उपलब्धियों और बहुत से लोगों की जीवन स्थितियों को कमजोर कर दिया है। मैं सभी 'थर्ड वर्ल्ड' देशों से आने वाले प्रवास को स्थायी रूप से रोक दूंगा ताकि अमेरिकी व्यवस्था पूरी तरह से पुनःसंगठित हो सके। मैं बाइडन (पूर्व राष्ट्रपति) द्वारा लोगों को अवैध रूप से दिए गए प्रवेश को समाप्त कर दूंगा और उन सभी लोगों को देश से बाहर कर दूंगा जो अमेरिका के लिए उपयोगी नहीं हैं या हमारे देश से प्रेम नहीं करते हैं।'' उन्होंने कहा, ''केवल प्रवासियों को वापस उनके देश भेजना ही इस स्थिति को पूरी तरह ठीक कर सकता है।''

समाज को मजबूत बनाने के लिए प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ सहयोग की भावना भी जरूरी : मुर्मू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को कहा कि राष्ट्र और समाज की मजबूती के लिए प्रतिस्पर्धा की भावना के साथ-साथ सहयोग की भावना भी आवश्यक है।

मुर्मू ने शुक्रवार को लखनऊ में भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के हीरक जयंती समारोह और 19वें राष्ट्रीय जंबूरी के समापन समारोह में यह बात कही। उन्होंने कहा, जंबूरी के दौरान कई प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। हर प्रतियोगिता से हमें नयी चीजें सीखने को मिलती हैं। टीम भावना मजबूत होती है और यह हमें और अधिक मेहनत करने के लिए प्रेरित भी करती हैं, लेकिन, राष्ट्र और समाज की मजबूती के लिए प्रतिस्पर्धा की भावना के साथ-साथ सहयोग की भावना भी आवश्यक है।

राष्ट्रपति ने कहा,''यह गर्व का विषय है कि पिछले 75 वर्षों से भारत स्काउट्स और गाइड्स युवाओं का मार्गदर्शन कर रहा है और उन्हें राष्ट्र-निर्माण में सक्रिय भागीदार बनने के लिए प्रेरित कर रहा है।''

उन्होंने रेखांकित किया,'' सेवा की भावना स्काउट्स और गाइड्स की सबसे बड़ी ताकत है। चाहे बाढ़ हो, भूकंप हो या कोई महामारी, स्काउट्स और गाइड्स हमेशा सहायता के लिए सबसे आगे रहते हैं। इस संगठन की एक और विशेषता राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देना है।''

मुर्मू ने युवाओं को सशक्त, संवेदनशील और देश के भविष्य के लिए काम करने के वास्ते प्रतिबद्ध बनाने के लिए भारत स्काउट्स और गाइड्स की सराहना की।

मुर्मू ने यह भी कहा, आज भारत में 63 लाख से ज़्यादा स्काउट्स और गाइड्स हैं। भारत स्काउट्स और गाइड्स दुनिया के सबसे बड़े स्काउट्स और गाइड्स संगठनों में से एक है। इस संगठन में गाइड्स यानी लड़कियों की संख्या 25 लाख से ज़्यादा है, जो एक बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने अनुशासन, समर्पण और समाज व मानवता के कल्याण का मार्ग चुनने के लिए उन सभी लड़कियों की सराहना की।

चक्रवाती तूफान 'दितवा' चेन्नई के निकट पहुंचा, तमिलनाडु हाई अलर्ट पर

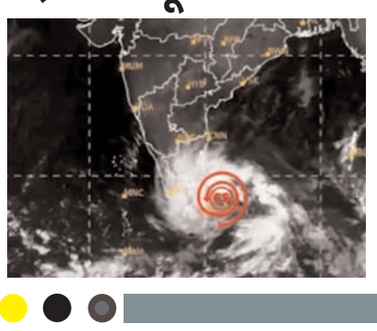

चेन्नई/भाषा। बंगाल की खाड़ी से उठे चक्रवाती तूफान 'दितवा' ने शुक्रवार को चेन्नई तट की ओर बढ़ना शुरू कर दिया है। मौसम विभाग ने इस तूफान के कारण तमिलनाडु में अगले तीन दिनों के लिए बहुत भारी बारिश का पूर्वानुमान लगाया है। तूफान को देखते हुए राज्य सरकार ने कई ज़िला प्रशासन को हाई अलर्ट पर रखा है। मौसम विभाग ने कई ज़िलों के लिए रेड और ऑरेंज अलर्ट जारी कर दिया है। दितवा के कारण अत्यधिक से बहुत भारी बारिश का पूर्वानुमान जताने के कारण, राज्य सरकार ने बचाव और राहत कार्यों के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) की टीमों को तैनात कर दिया है। एनडीआरएफ की टीमों ने संभावित जलभराव वाले क्षेत्रों से लोगों को बचाकर सुरक्षित स्थानों पर ले जाने के लिए रबड़ की नावें, पेड़ काटने वाली मशीनों सहित सभी आवश्यक उपकरण अपने साथ रखे हैं।

केंद्र सरकार का राजकोषीय घाटा अप्रैल-अक्टूबर में 52.6 प्रतिशत पर पहुंचा

नई दिल्ली/भाषा। वित्त वर्ष 2025-26 के पहले सात महीनों में केंद्र सरकार का राजकोषीय घाटा समूचे वित्त वर्ष के लक्ष्य का 52.6 प्रतिशत हो गया। शुक्रवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। वित्त वर्ष 2024-25 के पहले सात महीनों में सरकार की आय एवं व्यय के बीच का अंतर यानी राजकोषीय घाटा, बजट अनुमान का 46.5 प्रतिशत रहा था।

लेखा महानियंत्रक (सीजीए) की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक, इस साल अप्रैल-अक्टूबर के दौरान केंद्र सरकार का राजकोषीय घाटा 8,25,144 करोड़ रुपए रहा।

केंद्र सरकार ने चालू वित्त वर्ष के लिए कुल 15.69 लाख करोड़ रुपए के राजकोषीय घाटे का अनुमान लगाया है, जो सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लगभग 4.4 प्रतिशत होगा।

विकसित भारत के मार्ग पर आगे बढ़ने के लिए लोगों के बीच एकता जरूरी : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पणजी/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि विकसित भारत के मार्ग पर आगे बढ़ने के लिए लोगों के बीच एकता जरूरी है। उन्होंने कहा कि भारत आज सांस्कृतिक पुनर्जागरण का अनुभव कर रहा है।

श्री संस्थान गोकर्ण जीवोत्तम मठ के 550 वर्ष पूरे होने पर आयोजित समारोहों के तहत गोवा में भगवान राम की 77 फुट ऊंची प्रतिमा का अनावरण करने के बाद एक जनसभा को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा, ''जब समाज एकजुट होता है, जब प्रत्येक क्षेत्र एक साथ खड़ा होता है, तो देश बड़ी छलांग लगाता है।'' प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ''आज भारत एक सांस्कृतिक पुनर्जागरण का अनुभव कर रहा है। अयोध्या में राम मंदिर का जीर्णोद्धार, काशी विश्वनाथ धाम का व्यापक जीर्णोद्धार और उज्जैन में महाकाल महालोक का विस्तार, ये सभी देश की नई चेतना और इसकी आध्यात्मिक विरासत के सशक्त पुनरुत्थान के उदाहरण हैं।'' उन्होंने कहा कि अनेक कठिन परिस्थितियों के बावजूद गोवा ने न केवल अपनी मूल संस्कृति को बरकरार रखा है, बल्कि समय के साथ इसे पुनर्जीवित भी किया है। मोदी ने कहा कि ऐसे समय भी आए जब गोवा के मंदिरों और स्थानीय परंपराओं को भाषा और सांस्कृतिक पहचान पर दबाव के कारण संकट का सामना करना पड़ा, लेकिन ये परिस्थितियां समाज की आत्मा को कमजोर नहीं कर सकीं, बल्कि उन्होंने इसे और भी दृढ़ बनाया। उन्होंने कहा कि यह गोवा की अनूठी विशेषता है कि इसकी संस्कृति ने हर बदलाव में अपने मूल स्वरूप को बरकरार रखा है और समय के साथ ये पुनर्जीवित भी हुई है। मठ की सराहना करते हुए मोदी ने कहा कि पिछले 550 वर्षों में इस संस्था ने ''समय के अनगिनत चक्रवातों को सहन किया है।'' प्रधानमंत्री ने कहा, ''युग बदले, कालखंड बदले, देश और समाज में अनेक परिवर्तन हुए, लेकिन बदलते युग और चुनौतियों के बीच भी मठ ने अपनी दिशा नहीं खोई, बल्कि लोगों को दिशा देने वाले केंद्र के रूप में उभरा और यही इसकी सबसे बड़ी पहचान है।''

सीतारमण एवं नायडू ने अमरावती में 15 बैंकों, बीमा कंपनियों के कार्यालयों की आधारशिला रखी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने शुक्रवार को यहां सार्वजनिक बैंकों एवं बीमा कंपनियों के 15 नए कार्यालयों की आधारशिला रखी।

इन कार्यालयों पर कुल 1,328 करोड़ रुपए का निवेश किया जाएगा और करीब 6,541 नई नौकरियों का सृजन होगा। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी), राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) सहित कई अन्य वित्तीय संस्थानों के कार्यालय स्थापित किए जाएंगे।

सीतारमण ने इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में कहा, ''अमरावती को वित्तीय समर्थन की जरूरत है और इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए यहां पर 15 वित्तीय संस्थानों के लिए बुनियाद रखी गई।'' उन्होंने सार्वजनिक क्षेत्र के प्रमुख बैंकों एवं बीमा कंपनियों के एक साथ आने को देश की किसी भी राज्य की राजधानी के लिए ऐतिहासिक कदम बताया।

सर्राफा हॉलमार्किंग, प्रयोगशाला में बने हीरे का मानक बनाने पर विचार कर रही सरकार

नई दिल्ली/भाषा। चांदी के आभूषणों और कलाकृतियों के लिए स्वैच्छिक हॉलमार्किंग शुरू करने के बाद अब सरकार सर्राफा (सोने-चांदी की ईंटें या बार) पर भी हॉलमार्किंग लागू करने पर विचार कर रही है। इससे आभूषण विनिर्माताओं को शुद्ध और प्रमाणित कच्चा माल मिल सकेगा। इसके साथ ही उपभोक्ताओं को प्राकृतिक हीरे और प्रयोगशाला में बने हीरे के बीच अंतर समझने के लिए एक ढांचा तैयार करने की योजना भी बनाई जा रही है। इससे इस खंड में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ेगी। हॉलमार्किंग कीमती धातुओं की शुद्धता का प्रमाणीकरण है। जून 2021 से सोने के आभूषणों के लिए यह अनिवार्य है, जबकि एक सितंबर 2025 से चांदी के आभूषणों और कलाकृतियों के लिए इसे स्वैच्छिक कर दिया गया है। उद्योग मंडल सीआईआई के कार्यक्रम रत्न एवं आभूषण सम्मेलन में उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने कहा कि सोने की हॉलमार्किंग को मिली शानदार प्रतिक्रिया से उत्साहित होकर सरकार ने चांदी की हॉलमार्किंग को स्वैच्छिक किया है।

भारत, कनाडा व्यापार समझौते पर अगले सप्ताह से फिर से शुरू करेंगे चर्चा : गोयल

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि भारत और कनाडा प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते के लिए औपचारिक बातचीत फिर से शुरू करने के लिए अगले सप्ताह से चर्चा शुरू करेंगे।

कनाडा ने 2023 में भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत रोक दी थी। 2023 में हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत के संभावित संबंध होने के कनाडा के तत्कालीन प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के आरोपों के बाद दोनों देशों के संबंधों में तनाव उत्पन्न हुआ था। भारत ने ट्रूडो के आरोपों को ''बेतुका'' बताते हुए खारिज कर दिया था। मंत्री ने यहां उद्योग मंडल 'फिक्की' की वार्षिक आम बैठक में कहा, '' कनाडा और भारत, सीईपीए पर विचार कर रहे हैं। अगले सप्ताह वे इस पर बातचीत शुरू करने जा रहे हैं।'' व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) एक प्रकार का मुक्त व्यापार समझौता है जिसके तहत दो देश अपने बीच व्यापार की जाने वाली अधिकतम वस्तुओं पर सीमा शुल्क को या तो काफी कम कर देते हैं या समाप्त कर देते हैं। ये समझौते कुशल पेशेवरों की आवाजाही के मानदंडों को भी आसान बनाते हैं और निवेश आकर्षित करते हैं। मार्च 2022 में दोनों देशों ने एक अंतरिम समझौते के लिए वार्ता फिर से शुरू की थी। इस पर छह से अधिक दौर की वार्ता हुई थी।

आवारा पशुओं का मुद्दा हमारी सभ्यता का 'उपहार': चंद्र कुमार

धर्मशाला (हिप्र)/भाषा। हिमाचल प्रदेश के कृषि मंत्री चंद्र कुमार ने शुक्रवार को कहा कि आवारा पशुओं का मुद्दा हमारी सभ्यता और संस्कृति का उपहार है, हालांकि उन्होंने इसके समाधान के लिए राज्य की वन भूमि के उपयोग से इनकार कर दिया। वह विधानसभा में गैर सरकारी कामकाज के दौरान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक सुखराम चौधरी के प्रस्ताव पर हुई चर्चा का जवाब दे रहे थे। मंत्री ने कहा कि इस समस्या के लिए पूरा समाज जिम्मेदार है। चौधरी ने वन विभाग की अनुमति से राज्य के सभी 68 विधानसभा क्षेत्रों में वन भूमि पर गौशालाएं बनाने का प्रस्ताव रखा था। उन्होंने कहा कि आवारा पशुओं की समस्या के कारण बड़ी संख्या में किसानों ने खेती छोड़ दी है। हालांकि, मंत्री के जवाब के बाद उन्होंने अपना निजी प्रस्ताव वापस ले लिया।

कुमार ने सदन को बताया कि सरकार के पास राज्य के सभी आवारा पशुओं को रखने के लिए पर्याप्त साधन नहीं हैं और इस समस्या का एकमात्र समाधान जागरूकता है। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि सरकार इस समस्या के समाधान के लिए आवारा पशुओं के लिए जंगल नहीं खोल सकती। मंत्री ने सभी विधायकों से अपने निर्वाचन क्षेत्रों में जागरूकता अभियान चलाने की अपील की ताकि लोग घर पर ही पशु पाल सकें। उन्होंने कहा कि वर्तमान में राज्य की गौशालाओं में 21,360 पशुओं को रखने की क्षमता है, लेकिन ऐसी और अधिक गौशालाएं खोलना इस समस्या का समाधान नहीं है। उन्होंने बड़ी संख्या में निजी क्षेत्र के गौशालाओं के विचार को भी खारिज कर दिया।

जीडीपी वृद्धि दर 8.2 प्रतिशत रहना उत्साहजनक, सुधारों को आगे बढ़ाते रहेंगे : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में 8.2 प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि दर लोगों की कड़ी मेहनत और उद्यमशीलता को बताती है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार सुधारों को आगे बढ़ाना जारी रखेगी।

विनिर्माण और सेवा क्षेत्र में अच्छी वृद्धि के दम पर भारत की आर्थिक वृद्धि दर जुलाई-सितंबर तिमाही में 8.2 प्रतिशत रही है जो पिछली छह तिमाहियों में सबसे अधिक है।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में 8.2 प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि दर बहुत उत्साहजनक है। यह हमारी वृद्धि-समर्थक नीतियों और सुधारों के प्रभाव को बताती है। यह हमारे लोगों की कड़ी मेहनत और उद्यमशीलता को भी दर्शाती है।'' उन्होंने कहा, ''हमारी सरकार सुधारों को आगे बढ़ाती रहेगी और प्रत्येक नागरिक के लिए जीवन को आसान बनाने के लिए काम करती रहेगी।''

जीडीपी वृद्धि सात प्रतिशत से अधिक रहने की उम्मीदः सीईए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने शुक्रवार को कहा कि चालू वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर सात प्रतिशत या इससे अधिक रहने की पूरी उम्मीद है।

गौरतलब है कि वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में आर्थिक वृद्धि दर अपेक्षा से बेहतर 8.2% रही। इस साल पेश आर्थिक समीक्षा के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में आर्थिक वृद्धि 6.3 से 6.8 प्रतिशत रहने का अनुमान है। दूसरी तिमाही के जीडीपी आंकड़े जारी होने के बाद नागेश्वरन ने संवाददाताओं से कहा कि मौजूदा वृद्धि दर को देखते हुए चालू वित्त वर्ष में ही भारतीय अर्थव्यवस्था 4,000 अरब डॉलर के पार चली जाएगी। उन्होंने बताया कि इस साल मार्च के अंत में भारत का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 3,900 अरब डॉलर था। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में अर्थव्यवस्था ने आठ प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है, इसलिए पूरे साल का अनुमान अब सात प्रतिशत या उससे अधिक का है। दूसरी तिमाही में अर्थव्यवस्था ने 8.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की, जो पिछली छह तिमाहियों में सबसे ज्यादा है और अनुमान से भी बेहतर रही। जीएसटी दरों में कटौती से खपत बढ़ने की उम्मीद में कारखानों के उत्पादन में तेजी आई। इसने कृषि क्षेत्र के सुस्त प्रदर्शन की भरपाई कर दी। पहली तिमाही में वृद्धि दर 7.8% प्रतिशत और एक साल पहले इसी तिमाही में 5.6% थी। दूसरी तिमाही में सेवा क्षेत्र ने दहाई अंकों में वृद्धि दर्ज की। इससे भी मदद मिली। उन्होंने कहा कि चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) की शुरुआत भी मजबूत आधार पर हुई है।

बांध बनाना अब व्यावहारिक और दीर्घकालिक समाधान नहीं रहा : जलशक्ति मंत्री पाटिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी आर पाटिल ने शुक्रवार को कहा कि उच्च लागत, भूमि अधिग्रहण की बाधाओं और नदी के घटते प्रवाह के कारण जल प्रबंधन के लिए नए बांध बनाना अब व्यावहारिक और दीर्घकालिक समाधान नहीं रह गया है।

मंत्री ने राज्यों से संरक्षण के लिए केंद्र के प्रयासों में सहयोग करने का आग्रह किया तथा सामूहिक कार्रवाई की आवश्यकता को रेखांकित किया।

पाटिल ने जल शक्ति मंत्रालय के 'सुजलाम भारत विजन' विषय पर आयोजित दो दिवसीय शिखर सम्मेलन के उद्घाटन के अवसर पर कहा, ''हम सभी जानते हैं कि जल जीवन देता है, लेकिन जब हम इसका प्रबंधन करने में विफल रहते हैं, तो यह विनाश भी लाता है।'' उन्होंने रेखांकित किया कि भारत में विश्व की 18 प्रतिशत आबादी और पशुधन निवास करते हैं ,जबकि वैश्विक मीठे जल संसाधनों तक इसकी पहुंच मात्र चार प्रतिशत है।

पाटिल ने कहा, ''हमें हर पल पानी की जरूरत होती है, लेकिन हम इसका उचित प्रबंधन नहीं कर पाए हैं।'' उन्होंने नए बांधों के निर्माण में आने वाली कठिनाइयों को रेखांकित करते हुए कहा, ''हमारे पास 6,500 से अधिक बांध हैं, लेकिन हम अब भी केवल लगभग 750 बीसीएम (अरब घन मीटर) पानी का ही भंडारण कर पाते हैं। एक बांध बनाने में 25 वर्ष और 25,000 करोड़ रुपए लगते हैं। क्या हमारे पास इतना समय है? क्या हमारे पास इतना पैसा है?''

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी आर पाटिल ने कहा कि उच्च लागत, भूमि अधिग्रहण संबंधी बाधाएं और नदी प्रवाह में कमी, बांध आधारित जल भंडारण रणनीति को आगे बढ़ाने में प्रमुख बाधाएं हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार ने 'जल संचय जन भागीदारी' (जेएसजेबी) पहल और जल शक्ति अभियान के माध्यम से बड़े पैमाने पर जल संरक्षण, सामुदायिक भागीदारी और भूजल पुनर्भरण पर ध्यान केंद्रित किया है।

मंत्री ने जेएसजेबी संरचनाओं के 'तेजी से विस्तार' को रेखांकित करते हुए नागरिकों को 'प्रधानमंत्री के शब्दों को जमीन पर उतारने' श्रेय दिया।

रोडवेज और पीआरटीसी के संविदा कर्मचारी हड़ताल पर, सेवाएं प्रभावित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटियाला/भाषा। पंजाब रोडवेज, पनबस और पीआरटीसी सहित राज्य-स्वामित्व वाली बस सेवाओं के अनुबंधित कर्मचारियों की हड़ताल के कारण शुक्रवार को पंजाब के कई क्षेत्रों में बस सेवाएं बाधित रहीं, जिससे यात्रियों को भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ा।

पंजाब रोडवेज, पनबस और पीआरटीसी कॉन्ट्रैक्ट वर्कर्स यूनियन ने पुलिस पर बृहस्पतिवार देर रात और शुक्रवार सुबह उनके कई नेताओं को हिरासत में लेने का आरोप लगाते हुए हड़ताल शुरू की। राज्य के विभिन्न हिस्सों में विरोध कर रहे कर्मचारियों और पुलिस के बीच झड़पें हुईं और अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया।

संविदा कर्मचारियों ने राज्य सरकार पर उनकी लंबित मांगों की अनदेखी करने और परिवहन क्षेत्र को ''सुनियोजित निजीकरण'' की ओर धकेलने का आरोप लगाया। इससे पहले कर्मचारी संघ ने विवादास्पद किलोमीटर-आधारित बस योजना से संबंधित निविदाएं खोले जाने के विरोध में प्रदर्शन की घोषणा की थी और संविदा कर्मचारियों को नियमित करने की मांग की थी। ये निविदाएं शुक्रवार को खोली जानी थीं। हड़ताल के परिणामस्वरूप, पंजाब के कई हिस्सों में यात्री फंसे रहे। प्रदर्शनकारी मजदूरों और यूनियन नेताओं ने आरोप लगाया कि पुलिस ने कई यूनियन नेताओं को इसलिए उठा लिया, क्योंकि वे सरकार की 'किलोमीटर योजना' का कड़ा विरोध कर रहे हैं। उनका दावा है कि यह निजी बसों को लाने और सरकारी परिवहन व्यवस्था को खत्म करने का एक गुप्त प्रयास है, जिससे निजी ऑपरेटर सरकार द्वारा अधिसूचित मार्गों पर बसें चला सकें। यूनियन नेताओं और संविदा कर्मचारियों का आरोप है कि यह नीति निजी ठेकेदारों के पक्ष में है और राज्य परिवहन क्षेत्र में हजारों लोगों की आजीविका को खतरे में डाल देगी।

जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े ठिकाने का भंडाफोड़, आतंकवादियों का सहयोगी गिरफ्तार

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले में शुक्रवार को सुरक्षाबलों ने जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) से जुड़े एक ठिकाने का भंडाफोड़ किया और आतंकवादियों के एक सहयोगी को गिरफ्तार किया। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि आतंकवादियों के नेटवर्क के खिलाफ सफलता हासिल करते हुए पुलिस ने अवंतीपोरा में सुरक्षाबलों के साथ मिलकर आतंकवादियों के ठिकाने का भंडाफोड़ किया और उनके सहयोगी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी त्राल और अवंतीपोरा क्षेत्रों में सक्रिय जैश-ए-मोहम्मद आतंकवादियों को रसद सहायता प्रदान करने और हथियार व गोला-बारूद पहुंचाने में सक्रिय रूप से शामिल रहा है। जिले के नानेर मिदूरा इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में विश्वसनीय सूचना मिलने पर सुरक्षा बलों ने वहां घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया।

मुंबई में निजी भूमि पर पेड़ों की कटाई का निवासियों ने विरोध किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। मुंबई के चांदिवली उपनगर में एक निजी भूखंड पर शुरू हुए वृक्षों की कटाई के खिलाफ स्थानीय निवासियों ने विरोध जताया है। एक पर्यावरण समूह ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को पत्र लिखकर महानगर की वृक्ष नीति में पूरी तरह बदलाव की मांग की है।

चांदिवली के एल वार्ड में स्थित निजी भूखंड पर 45 वृक्षों की कटाई और 70 अन्य को दूसरी जगह प्रतिरोपित करने की अनुमति दी गई है। पर्यावरण समूह नेटकनेक्ट फाउंडेशन ने बताया कि पेड़ों को काटने और उन्हें लगाने की अनुमति फरवरी 2024 में दी गई थी, लेकिन वृक्ष काटने वाली टीम बृहस्पतिवार को पहुंचीं, जिससे निवासी स्तब्ध रह गए।

संगठन के निदेशक बी एन कुमार ने तुरंत नगर आयुक्त भूषण गगरानी को इसकी सूचना दी, जिन्होंने अधिकारियों को स्थिति की जांच करने का निर्देश दिया।

शुक्रवार सुबह वृक्षों की कटाई फिर से शुरू हो गई और निवासी यह देखकर दंग रह गए कि बिना किसी नई सार्वजनिक सूचना के 20 साल पुराने विशालकाय पेड़ों को काट दिया गया। संगठन ने मुख्यमंत्री और बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) आयुक्त को पत्र लिखकर वृक्षों की कटाई पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है।

स्थानीय नेताओं ने भी इस चिंता को दोहराया।

स्थानीय निवासी प्रवीण कुमार यादव ने कहा, कागजों पर तो क्षतिपूर्ति वृक्षारोपण अच्छा लग सकता है, लेकिन इससे पारिस्थितिकीय क्षति की भरपाई नहीं होती।

बीएमसी द्वारा नियुक्त उन्नत स्थानीयता प्रबंधन समिति की अध्यक्ष पामेला चीमा ने कहा कि उन्हें गहरा सदमा लगा है कि एक और हरित क्षेत्र का सफाया हो रहा है। उन्होंने पूछा, योजनाकारों को कब एहसास होगा कि मुंबई में पेड़ जीवन रक्षक प्रणालियां हैं, भूदृश्य नहीं?

'अर्थव्यवस्था की स्थिति निराशाजनक, उच्च विकास दर टिकाऊ नहीं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आर्थिक विकास दर के ताजा आंकड़े जारी होने के बाद कांग्रेस ने शुक्रवार को दावा किया कि अर्थव्यवस्था की स्थिति निराशाजनक बनी हुई है तथा उच्च आर्थिक विकास की दर टिकाऊ नहीं है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने भारत के राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी की अपनी वार्षिक समीक्षा में देश के सकल घरेलू उत्पाद और सकल मूल्य वर्धित (जीवीए) सहित महत्वपूर्ण आंकड़ों को 'सी' ग्रेड दिया है।

शुक्रवार को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार भारतीय अर्थव्यवस्था चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में 8.2 प्रतिशत की दर से बढ़ी जो पिछली छह तिमाहियों में सर्वाधिक है। पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 5.6 प्रतिशत रही थी। चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत थी।

रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''यह विडंबना है कि विकास दर के तिमाही आंकड़े उस वक्त जारी किए गए जब आईएमएफ की रिपोर्ट में भारतीय अर्थव्यवस्था के वार्षिक मूल्यांकन में भारत के राष्ट्रीय खातों के आंकड़ों को 'सी' श्रेणी में रखा है जो दूसरी सबसे निचली श्रेणी में हैं।''

उनका कहना है, ''आंकड़ों की स्थिति निराशाजनक बनी हुई है। सकल स्थिर पूंजी निर्माण में कोई वृद्धि नहीं हुई है। निजी निवेश में किसी भी नई गति के अभाव में उच्च जीडीपी विकास दर टिकाऊ नहीं है। यह स्पष्ट रूप से साक्ष्य में नहीं है।''

रमेश ने कहा कि आंकड़ों में मुद्रस्फीति जो स्थिति है वो दैनिक उपभोग की वस्तुओं में मूल्य वृद्धि के बोझ तले दबे करोड़ों परिवारों के अनुभवों से पूरी तरह भिन्न है।

आईएमएफ ने कहा है कि 2025-26 में भारत की आर्थिक वृद्धि दर 6.6 प्रतिशत रहने का अनुमान है। साथ ही, उसने यह भी कहा कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधारों से देश को अमेरिका के 50 प्रतिशत शुल्क के प्रतिकूल प्रभाव से निपटने में मदद मिलने की उम्मीद है।

आईएमएफ ने अपने कार्यकारी निदेशक मंडल द्वारा भारत के लिए वार्षिक आकलन पूरा करने के बाद बयान में कहा, ''भारत की अर्थव्यवस्था लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही है। वित्त वर्ष 2024-25 में 6.5 प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि के बाद, वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में वास्तविक जीडीपी में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई।''

चक्रवात 'डिटवा': मुख्यमंत्री स्टालिन ने तैयारियों की समीक्षा की

समीक्षा — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

शुक्रवार को चेन्नई के एग्मोर में स्टेट इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर का दौरा मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने किया और साइक्लोन 'टिटवा' के कारण भारी बारिश की चेतावनी वाले जिलों में एहतियाती उपायों की जिला कलेक्टरों के साथ समीक्षा की।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने शुक्रवार को बंगाल की खाड़ी में आने वाले चक्रवात 'डिटवा' से पहले की तैयारियों की समीक्षा की, जिससे राज्य में भारी बारिश होने का पूर्वानुमान है। मौसम विभाग ने 29 से 30 नवंबर के बीच राज्य के दक्षिणी और कावेरी डेल्टा जिलों में भारी बारिश की भविष्यवाणी की है। स्टालिन ने संवाददाताओं से कहा, दक्षिणी और डेल्टा जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है। मैंने उन जिलाधिकारियों के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंस की, जहां रेड अलर्ट जारी किया गया है। विस्तृत निर्देश जारी करने के लिए कल (बृहस्पतिवार) वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक बैठक बुलाई गई थी। इससे पहले मुख्यमंत्री ने चेन्नई में राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा स्थापित राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र का दौरा किया और स्थिति का जायजा लिया।

वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जिलाधिकारियों के साथ बातचीत के दौरान उन्होंने अधिकारियों को बचाव और राहत कार्यों के लिए समन्वय कार्य करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने संवेदनशील जिलों में वरिष्ठ अधिकारियों को तैनात किया है और वे सभी अपने-अपने निर्धारित क्षेत्रों में पहुंच चुके हैं।

स्टालिन ने कहा कि चेन्नई में भारी बारिश होने के असार है तथा मौसम विभाग ने चेन्नई में भी भारी बारिश की चेतावनी दी है। सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का ब्यौरा देते हुए उन्होंने कहा, खाद्य और आवश्यक सामग्री के साथ शिविर तैयार कर दिए गए हैं। निचले इलाकों से लोगों को तुरंत निकालने के आदेश भी जारी कर दिए गए हैं। स्टालिन ने कहा, प्रभारी मंत्री जिलों में पहुंच गए हैं और स्थिति पर लगातार नजर रख रहे हैं। मुख्यमंत्री से पूछा गया कि क्या उनकी सरकार चक्रवात से पहले पूरी तरह तैयार है, उन्होंने कहा, 'हम तैयार हैं।' तमिलनाडु के स्वास्थ्य मंत्री एम ए सुब्रमण्यन ने भी कहा कि आईएमडी द्वारा भारी वर्षा के पूर्वानुमान के मद्देनजर स्वास्थ्य विभाग को सभी सरकारी अस्पतालों में चौबीसों घंटे चिकित्सा दल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। सुब्रमण्यन ने कहा कि यदि किसी विशेष क्षेत्र में दो से अधिक व्यक्तियों में बुखार से संबंधित मामले सामने आते हैं, तो स्वास्थ्य विभाग को उस क्षेत्र में विशेष चिकित्सा शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं।

मौसम विभाग ने शुक्रवार को बताया कि चक्रवाती तूफान (डिटवा) 30 नवंबर की सुबह तक उत्तरी तमिलनाडु, पुडुचेरी और उससे सटे दक्षिणी आंध्र प्रदेश के तटों के पास बंगाल की दक्षिण-पश्चिम खाड़ी तक पहुंचने की प्रबल संभावना है। मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह दी गई है। स्टालिन ने राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के निरीक्षण के दौरान कहा कि सभी विभागों को मिलकर काम करना होगा। उन्होंने अधिकारियों को भोजन, दूध सहित आवश्यक वस्तुओं का स्टॉक रखने का भी आदेश दिया और कहा कि आवासीय क्षेत्रों से बाढ़ का पानी निकालने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जानी चाहिए। मुख्यमंत्री ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि भारी बारिश की आशंका वाले जिलों में राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल की 16 और एनडीआरएफ की 12 टीमें तैनात की गई हैं। मौसम विभाग ने लोगों को रेड अलर्ट अवधि के दौरान अपने घरों से बाहर न निकलने और यात्रा करने से बचने की सलाह दी है।

चक्रवाती तूफान 30 नवंबर की सुबह उत्तरी तमिलनाडु और पुडुचेरी पहुंचेगा

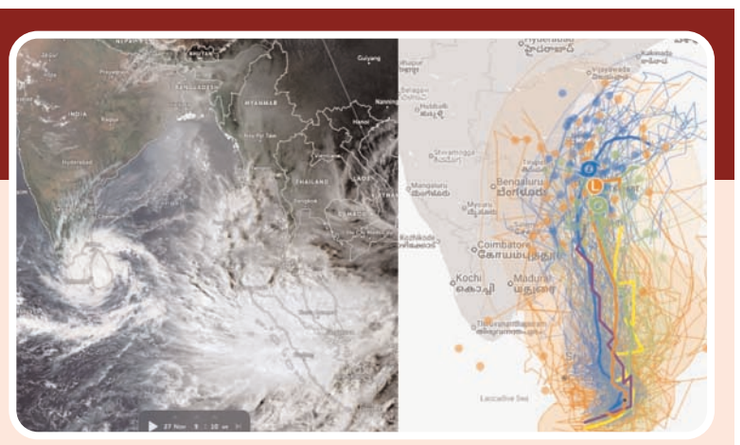

चेन्नई। चक्रवाती तूफान 'डिटवा' के दक्षिण पश्चिम बंगाल की खाड़ी से होते हुए उत्तरी तमिलनाडु, पुडुचेरी और उससे सटे दक्षिणी आंध्र प्रदेश के तटों के पास 30 नवंबर की सुबह तक पहुंचने की संभावना है। मौसम विभाग ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अपने बुलेटिन में कहा कि चक्रवाती तूफान शुक्रवार को कराईकल से 320 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिणपूर्व, पुडुचेरी से 430 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिणपूर्व और चेन्नई से 530 किलोमीटर दक्षिण में पहुंचा। इस तूफान के श्रीलंका तट और उससे सटे दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी से होते हुए उत्तर-उत्तरपश्चिम की ओर बढ़ते रहने तथा उत्तरी तमिलनाडु, पुडुचेरी और उससे सटे दक्षिणी आंध्र प्रदेश के तटों तक पहुंचने की प्रबल संभावना है। चक्रवात के तमिलनाडु तट के समानांतर आगे बढ़ने की संभावना है। कावेरी डेल्टा के जिलों और तटीय इलाकों में बारिश की आशंका को देखते हुए सरकार ने जिलाधिकारियों को सतर्क रहने तथा उचित बचाव एवं राहत उपाय शुरू करने की सलाह दी है।

श्रीलंका में चक्रवात

प्रधानमंत्री मोदी ने 'ऑपरेशन सागर बंधु' के तहत सहायता की घोषणा की

चेन्नई/नई दिल्ली। भारत ने शुक्रवार को चक्रवात प्रभावित श्रीलंका को आवश्यक राहत सामग्री पहुंचाई तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने द्वीपीय देश को बताया कि स्थिति से निपटने के लिए नयी दिल्ली उसे और अधिक सहायता प्रदान करने के लिए तैयार है। नयी दिल्ली ने संकट की इस घड़ी में श्रीलंका की सहायता के लिए 'सागर बंधु' अभियान शुरू किया है और राहत सामग्री की पहली खेप भारतीय नौसेना के विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत और अग्रिम पंक्ति के जहाज आईएनएस उदयगिरि द्वारा पहुंचाई गई। श्रीलंका में बाढ़ और भूस्खलन के कारण कम से कम 56 लोगों की मौत हुई है। श्रीलंकाई अधिकारियों के अनुसार, 12,313 परिवारों के 43,900 से अधिक लोग खबार मौसम की स्थिति से प्रभावित हुए हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा, श्रीलंका के उन लोगों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना है जिन्होंने चक्रवात 'डिटवा' के कारण अपने प्रियजनों को खो दिया है। मैं सभी प्रभावित परिवारों की सुरक्षा, सांत्वना और शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। उन्होंने कहा, अपने निकटतम समुद्री पड़ोसी के साथ एकजुटता प्रदर्शित करते हुए भारत ने 'ऑपरेशन सागर बंधु' के तहत तत्काल राहत सामग्री तथा मानवीय सहायता व आपदा राहत (एचएडीआर) भेजी है। हम हालात को देखते हुए और अधिक सहायता प्रदान करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, हम स्थिति के अनुसार और अधिक सहायता प्रदान करने के लिए तैयार हैं। भारत की पड़ोसी प्रथम नीति और विजन महासागर से प्रेरित होकर भारत जरूरत के समय में श्रीलंका के साथ मजबूती से खड़ा है।

मोदी ने मार्च में मॉरीशस की अपनी यात्रा के दौरान 'ग्लोबल साउथ' के साथ भारत के भागीदारी के लिए 'महासागर' (म्यूचुअल एंड हॉलिस्टिक एडवांसमेंट फॉर सिक्यूरिटी एंड ग्रोथ अक्रास रिजन्स) दृष्टिकोण की घोषणा की थी। अलग से विदेश मंत्री एस जयशंकर ने चक्रवात 'डिटवा' से हुई मौतों और विनाश से निपटने में श्रीलंका की मदद के लिए 'ऑपरेशन सागर बंधु' शुरू करने की घोषणा की। उन्होंने कहा, ऑपरेशन सागर बंधु शुरू हो गया है। आईएनएस विक्रांत और आईएनएस उदयगिरि ने कोलंबो में राहत सामग्री सौंपी है। आगे के कदम उठाए जा रहे हैं।

टीवीके का झंडा लगाकर हवाई अड्डे पहुंचे सेंगोत्तैयन, कहा: निश्चित रूप से सफल होंगे विजय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अन्नाद्रमुक से अलग होने वाले वरिष्ठ नेता के ए सेंगोत्तैयन ने शुक्रवार को कहा कि तमिलनाडु की राजनीति में अभिनेता-राजनेता विजय और उनकी पार्टी तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) एक स्थायी प्रभाव पैदा करेगी और एमजीआर की (राजनीतिक) विरासत विजय संभालेंगे। अभिनेता. नेता विजय के नेतृत्व वाली पार्टी में शामिल हुए के. ए. सेंगोत्तैयन ने शुक्रवार को यह बात कही।

के. ए. सेंगोत्तैयन (77) पहले ऑल इंडिया द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) में थे। उन्होंने विजय की तुलना एम. जी. रामचंद्रन से की। रामचंद्रन ने 1972 में अन्नाद्रमुक की शुरुआत की थी। कोयंबटूर रवाना होने से पहले सेंगोत्तैयन ने पत्रकारों से कहा, विजय ने अपनी राजनीतिक यात्रा एमजीआर की तरह शुरू की है। उनमें एमजीआर और (पूर्व मुख्यमंत्री) अन्नादुरई की छवि है।

पूर्व राज्य मंत्री अपनी कार पर टीवीके का झंडा लगाकर हवाई अड्डे पर पहुंचे थे, जबकि वह इतने वर्षों से अन्नादुरई की तस्वीर वाला अन्नाद्रमुक का झंडा इस्तेमाल करते आ रहे थे। उन्होंने कहा कि विजय निश्चित रूप से अपनी राजनीतिक यात्रा में सफल होंगे। विजय द्वारा टीवीके के मुख्य समन्वयक नामित सेंगोत्तैयन ने कहा, जब एमजीआर ने एआईएडीएमके की स्थापना की तो लोगों ने आलोचना की थी कि यह पार्टी ज्यादा दिन नहीं चलेगी और यह सिर्फ 100 दिन चलने वाली फिल्म की तरह फ्लॉप हो जाएगी। लेकिन एमजीआर ने इतिहास रच दिया और उनका शासन लंबे समय तक चला और अंत तक उन्हें कोई नहीं हरा सका। वरिष्ठ राजनेता से जब पूछा गया कि क्या वह विजय में एमजीआर को देखते हैं तो उन्होंने दावा किया कि विजय ने अपनी राजनीतिक यात्रा एमजीआर की तरह शुरू की है और वह निश्चित रूप से सफल होंगे।

केंद्रीय निधि आवंटन पर 'धोखा' दे रही द्रमुक: तमिलनाडु भाजपा का स्टालिन पर आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु इकाई ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन पर केंद्रीय निधि आवंटन को लेकर 'झूठा प्रचार'' करने का आरोप लगाया और सत्तारूढ़ द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) द्वारा 'जनता को धोखा'' दिए जाने का दावा किया। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता नारायणन थिरुपति ने कहा कि मुख्यमंत्री को अपने शब्दों के निहितार्थ पर विचार करने के बाद ''जिम्मेदारी से'' बोलना चाहिए।

थिरुपति ने स्टालिन की उस टिप्पणी पर आपत्ति जताई, जिसमें उन्होंने केंद्रीय निधि आवंटन के संबंध में कथित धोखे के लिए 'नमाम' शब्द का इस्तेमाल किया था, जिसका अर्थ उन्होंने धोखाधड़ी या छल के रूप में लिया।

स्टालिन का तर्क था कि राज्य सेवा एवं वस्तु कर (जीएसटी) और प्रत्यक्ष करों के माध्यम से राजस्व तो जुटाता है, लेकिन बदले में उसे केंद्र से उसका उचित हिस्सा वापस नहीं मिलता। थिरुपति ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि यद्यपि मुख्यमंत्री ने 'नमाम' का उपयोग धोखाधड़ी के लिए एक राजनीतिक ताने के रूप में किया, लेकिन इसका अर्थ 'नाम' या पहचान होता है। प्रवक्ता ने प्राचीन तमिल साहित्य का हवाला देते हुए जोर दिया कि 'नमाम' का अर्थ हमेशा 'नाम या प्रसिद्धि' रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को अपने शब्दों के निहितार्थ पर विचार करने के बाद जिम्मेदारी से बोलना चाहिए।

मद्रास उच्च न्यायालय ने हत्या के दोषी के मृत्यु दंड को आजीवन कारावास में बदला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय ने 2022 में अपनी पूर्व प्रेमिका को ट्रेन के आगे धक्का देकर उसकी हत्या करने के दोषी डी सतीश को सुनाए गए मृत्युदंड को आजीवन कारावास में बदल दिया है।

न्यायमूर्ति एन सतीश कुमार और न्यायमूर्ति एम जोथिरमन की खंडपीठ ने बृहस्पतिवार को यह आदेश पारित किया तथा आरोपी द्वारा दायर अपील को आंशिक रूप से स्वीकार कर लिया। खंडपीठ ने निर्देश दिया कि दोषी 20 वर्ष की कैद पूरी होने तक किसी भी वैधानिक छूट या सजा माफी का हकदार नहीं होगा। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि आरोपी ने पूर्व प्रेमिका द्वारा उससे संबंध तोड़ने के कारण उसे खत्म करने की अपनी साजिश को सावधानीपूर्वक अंजाम दिया था। साक्ष्यों के विश्लेषण के आधार पर, यह पाया गया कि आरोपी ने गुस्से में आकर पूर्व प्रेमिका को पटरियों पर धक्का दे दिया।

खंडपीठ ने माना कि भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 302 (हत्या) के तहत अपराध स्पष्ट रूप से स्थापित होता है। हालांकि, सजा पर विचार करते हुए अदालत ने कहा कि महिला को अपने जीवनसाथी के चयन का अधिकार है और केवल अस्वीकृति आरोपी को उसका जीवन छीनने का लाइसेंस नहीं देती। अदालत ने इस बात पर भी गौर किया कि आरोपी के कृत्य के कारण पीड़िता के पिता ने आत्महत्या कर ली थी और कैंसर से पीड़ित उसकी मां की भी मृत्यु हो गई, जिससे पूरा परिवार तबाह हो गया था। खंडपीठ ने कहा कि आरोपी की उम्र और उसका कोई पिछला आपराधिक रिकॉर्ड न होने के कारण उसके सुधरने की संभावना अधिक है। परीवीक्षा अधिकारी और जेल अधीक्षक की रपटों पर विचार करते हुए, खंडपीठ ने कहा कि प्रेम में विफलता से उपजी निराशा के कारण हुई घटना को देखते हुए, हमारा विचार है कि मृत्युदंड आवश्यक नहीं है और आजीवन कारावास न्याय के उद्देश्यों को पूरा करेगा।

शिलान्यास — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में शुक्रवार को सैदापेट के सरकारी अस्पताल में 2100 वर्गफीट के नए वार्ड ब्लॉक का शिलान्यास स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री एम.ए. सुब्रमण्यन ने किया। इसे सैदापेट विधानसभा क्षेत्र विकास निधि से फंड से बनाया गया है।

केएमके का तमिल मनीला कांग्रेस में विलय संबंधी समारोह इरोड में 20 दिसंबर को होगा : वासन

चेन्नई। तमिलरुवी मणियन के नेतृत्व वाली पार्टी कामराजार मक्कल काची (केएमके) के तमिल मनीला कांग्रेस में विलय के बाद एक समारोह 20 दिसंबर को इरोड में होगा। तमिल मनीला कांग्रेस के अध्यक्ष जी के वासन ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। मणियन ने 27 नवंबर को औपचारिक रूप से अपनी पार्टी का तमिल मनीला कांग्रेस में विलय कर दिया था। चेन्नई में पत्रकारों से बात करते हुए, वासन ने कहा कि उनकी पार्टी गठबंधन धर्म का सम्मान करती है। उन्होंने कहा, यह विलय तमिलनाडु के लोगों की आकांक्षाओं को दर्शाता है। मतदाता चाहते हैं कि सुशासन और स्वच्छ शासन के लिए गठबंधन में ऐसी पार्टियां जरूर हों। वासन ने कहा कि अन्नाद्रमुक के नेतृत्व वाला राजग तमिलनाडु में विजयी गठबंधन बनकर उभरेगा। तमिल मनीला कांग्रेस भी राजग में शामिल है।

दीक्षांत समारोह — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के कलैवनार आरंगम में 28 नवम्बर को आयोजित तमिलनाडु डॉ. जे. जयललिता संगीत एवं प्रदर्शन कला विश्वविद्यालय के तीसरे दीक्षांत समारोह में, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और तमिलनाडु डॉ. जे. जयललिता संगीत एवं प्रदर्शन कला विश्वविद्यालय के कुलाधिपति शिवकुमार को डॉक्टरेट की मानद उपाधि प्रदान की। समारोह में, तमिल विकास एवं सूचना मंत्री और तमिलनाडु डॉ. जे. जयललिता संगीत एवं प्रदर्शन कला विश्वविद्यालय के कुलपति, एम.पी. स्वामीनाथन, स्वास्थ्य एवं लोक कल्याण मंत्री, एम.ए. सुब्रमण्यन, हिंदू धर्म एवं धर्मार्थ संस्थान मंत्री पी.के. शेखरबाबू संसद सदस्य कलानिधि वीरासामी आदि उपस्थित थे।

मंगल ग्रह की विशेषताओं के नामकरण के लिए केरल के अनुसंधानकर्ताओं और स्थानों के नामों को मंजूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय खगोलीय संघ (आईएयू) ने घोषणा की है कि मंगल ग्रह की भौगोलिक विशेषताओं के नामकरण के लिए केरल के अनुसंधानकर्ताओं और स्थानों के नामों को मंजूरी दे दी गई है। इनमें मंगल ग्रह पर स्थित 3.5 अरब वर्ष पुराना एक क्रेटर भी है जिसका नामकरण प्रख्यात भूविज्ञानी एम एस कृष्णन के नाम पर रखा जाएगा।

इस महीने की 24 तारीख को जारी एक विज्ञप्ति में घोषणा की गई , ग्रह प्रणाली नामकरण के लिए आईएयू कार्य समूह ने मंगल ग्रह पर सात विशेषताओं के लिए कृष्णन, वलियामाला, वर्कला, थुम्बा, बेकल, कृष्णन पलुस और पेरियार वलिस नामों को मंजूरी दे दी है।'' कृष्णन 1951 में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निदेशक के रूप में सेवा देने वाले पहले भारतीय थे। आईएयू के खगोल विज्ञान विकास कार्यालय के रामासामी वेणुगोपाल ने पीटीआई-भाषा' को भेजे एक ईमेल में कहा, आईएयू डब्ल्यूजीपीएसएन द्वारा नामों को मंजूरी दिए जाने के बाद, उनका उपयोग मानचित्रों और प्रकाशनों में किया जा सकता है। आईएयू की स्थापना 1919 में की गई और इसका उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय सहयोग के माध्यम से अनुसंधान, संचार और शिक्षा सहित खगोल विज्ञान के सभी पहलुओं को बढ़ावा देना और उसकी सुरक्षा करना है। इसके सदस्यों में 92 देशों के पेशेवर खगोलविद शामिल हैं।

आईएयू स्थापना के समय से ही ग्रहीय नामकरण का सशक्त मंच रहा है और बाद में इसे संयुक्त राष्ट्र द्वारा मान्यता दी गई। आईएयू के नामकरण नियमों के अनुसार, 50 किलोमीटर या उससे अधिक व्यास वाले बड़े क्रेटर' (उल्कापिंडों के टकराने से बने गड्ढे) का नाम वैज्ञानिकों के नाम पर रखा जा सकता है, विशेष रूप से उन वैज्ञानिकों के नाम पर जिन्होंने मंगल ग्रह के अध्ययन में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इसके मुताबिक छोटे क्रेटर का नाम दुनिया भर के उन छोटे कस्बों और गांवों के नाम पर रखा जा सकता है जिनकी आबादी एक लाख या उससे कम है। नियमों में कहा गया है, यह श्रेणी क्रेटर के नामों का एक बड़ा स्रोत मात्र है। किसी कस्बे या गांव को विशेष रूप से सम्मानित करने का इसका कोई उद्देश्य नहीं है। तिरुवनंतपुरम जिले के वलियामाला में भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान है, जिससे मंगल ग्रह की भू-आकृतियों के नाम प्रस्तावित करने वाले अनुसंधानकर्ता जुड़े हुए थे। इस स्थान के नाम पर एक क्रेटर का नामकरण किया गया जो कृष्णन क्रेटर' के पश्चिम में स्थित है।

आईएयू की वेबसाइट के मुताबिक वर्कला तिरुवनंतपुरम में एक तटीय नगर पालिका और उपनगर है, जो अपने समुद्र तट के लिए प्रसिद्ध है। कृष्णन क्रेटर के भीतर एक क्रेटर का नाम वर्कला पर रखा गया है। बयान के मुताबिक लगभग कृष्णन क्रेटर के दक्षिण-पूर्व में स्थित 19 किलोमीटर व्यास वाले क्रेटर को थुम्बा नाम दिया गया है। थुम्बा से ही 1962 में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने अपनी यात्रा शुरू की थी। बेकल क्रेटर, जिसका व्यास पांच किलोमीटर से भी कम है और यह कृष्णन क्रेटर के पूर्व में स्थित है। इसका नाम केरल के एक शहर के नाम पर रखा गया है, जो अपने 17वीं शताब्दी के तटीय किले के लिए जाना जाता है।

प्रौद्योगिकी सुरक्षित, नैतिक और सभी के हित में हो तभी उसकी सार्थकता : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि भारतीय संस्कृति व्यष्टि से समष्टि की दृष्टि लिए है। तेजी से हो रहे विकास के अंतर्गत अपनाई जा रही प्रौद्योगिकी सुरक्षित, नैतिक और सभी के हित में हो, तभी उसकी सार्थकता है। उन्होंने भारतीय संस्कृति की चर्चा करते हुए कहा कि इसमें जीवन के संतुलन और समन्वय पर ही आरंभ से जोर दिया गया है। उन्होंने नई शिक्षा नीति के अंतर्गत पाठ्यक्रमों को भारतीय मूल्यों से जोड़ते हुए विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण के लिए कार्य करने पर जोर दिया है। बागड़े शुक्रवार को शाहपुरा में बाबा गंगादास राजकीय बालिका महाविद्यालय में आयोजित अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने 'सामाजिकसांस्कृतिक परिवर्तन, तकनीकी प्रगति एवं पर्यावरणीय सुधार' विषयक संगोष्ठी में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के दौर में तकनीकी के जीवन में बढ़ते दखल की चर्चा करते हुए कहा यांत्रिकी जीवन में सहयोग के लिए है परन्तु इसका उपयोग मानसिक तनाव को जन्म देता है तो ठहरकर सोचना होगा। उन्होंने भारतीय संस्कृति की चर्चा करते हुए कहा कि इसमें सदा ही समन्वय पर जोर दिया गया है।

प्रौद्योगिकी के उपयोग के साथ पर्यावरण संरक्षण के साथ मानसिक स्वास्थ्य के प्रति भी हमें सचेत रहना होगा। उन्होंने विद्यार्थियों को सामाजिक और सांस्कृतिक परिवर्तन के अंतर्गत पर्यावरणीय जीवन पद्धति अपनाने के साथ धैर्य और सहजता के गुणों का विकास किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आस्था और विश्वास से जुड़े संस्कारों की नींव पर ही सनातन मूल्य समाज के पथ प्रदर्शक बने हैं। इस पर सभी स्तरों पर विचार होना चाहिए।

राज्यपाल ने जीवन से जुड़ी मर्यादाओं, नियमों और अनुशासन का पालन करने के साथ समाज में हो रहे तीव्र गति से बदलावों के आलोक में भारतीय संस्कृति और उदात्त जीवन मूल्य अपनाए जाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बायोटेक्नोलोजी और डिजिटल प्लेटफॉर्म शासन, शिक्षा, स्वास्थ्य व उद्योगों को नए आयाम दे रहे हैं। परन्तु प्रगति के साथ मानव मूल्यों से जुड़े रहेंगे तभी विकास दीर्घकालीन हमें फलेगा। उन्होंने कहा कि तकनीक सुरक्षित, नैतिक और सभी के हित में हो, इस पर सभी स्तरों पर चिंतन होना चाहिए। राज्यपाल बागड़े ने इससे पहले मनोहरपुर में भाग्योदय सेवा संस्थान में विद्यार्थियों से संवाद किया।

उन्होंने छात्रछात्राओं से उन्हें पढ़ाए जाने वाले विषयों के साथ जीवन की प्राथमिकताओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी खूब पढ़े और जीवन में सदा उत्कर्ष की ओर आगे बढ़ने के लिए प्रयास करें। उन्होंने कहा कि शिक्षा वही सार्थक है जिसमें रटने की बजाय पूरी तरह से विषय को समझकर उसे हृदयंगम करने पर जोर दिया जाए। राज्यपाल ने विद्यार्थियों के पूछे प्रश्नों का समाधान भी किया।

न्यायालय ने धर्मांतरण रोधी कानून को चुनौती देने वाली याचिका पर राजस्थान सरकार से जवाब मांगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली/जयपुर। उच्चतम न्यायालय ने राजस्थान गैरकानूनी धर्मांतरण निषेध अधिनियम, 2025 की वैधता को चुनौती देने वाली एक याचिका पर राजस्थान सरकार से जवाब मांगा है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने 'पीपुल्स यूनियन फॉर लिबर्टीज' और अन्य की याचिका पर राज्य सरकार को नोटिस जारी करके जवाब मांगा। पीठ ने इसी मुद्दे से जुड़ीं अलग-अलग लंबित याचिकाओं से इस याचिका को जोड़ दिया। वरिष्ठ अधिवक्ता संजय पारिख याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश हुए। सॉलीसिटर जनरल तुषार मेहता ने पीठ को बताया कि इसी तरह के मामले उच्चतम न्यायालय के समक्ष लंबित हैं और इस याचिका को उसमें जोड़ देना चाहिए।

याचिकाकर्ताओं ने यह घोषित करने का अनुरोध किया है कि अधिनियम के प्रावधान मनमाने, अनुचित, अवैध और संविधान के दायरे से बाहर हैं तथा अनुच्छेद 14 (कानून के समक्ष समानता) और अनुच्छेद 21 (जीवन व व्यक्तिगत स्वतंत्रता की सुरक्षा) समेत अन्य अनुच्छेदों का भी उल्लंघन करते हैं। शीर्ष अदालत ने 17 नवंबर को अधिनियम की वैधता को चुनौती देने वाली एक अलग याचिका पर राजस्थान सरकार और अन्य से जवाब मांगा था।

शीर्ष अदालत ने राजस्थान में लागू अवैध धर्मांतरण रोधी कानून के कई प्रावधानों की वैधता को चुनौती देने वाली दो अलग-अलग याचिकाओं पर सुनवाई के लिए तीन नवंबर को सहमति व्यक्त की थी। सितंबर में शीर्ष अदालत की एक अन्य पीठ ने कई राज्यों से उनके धर्मांतरण रोधी कानूनों पर रोक लगाने की मांग वाली अलग-अलग याचिकाओं पर उनका रुख पूछा था।

तब शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया था कि जवाब दाखिल होने के बाद वह ऐसे कानूनों के क्रियान्वयन पर रोक लगाने की याचिका पर विचार करेगी। उस समय पीठ उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, गुजरात, हरियाणा, झारखंड और कर्नाटक समेत कई राज्यों में लागू किए गए धर्मांतरण रोधी कानूनों की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर विचार कर रही थी।

प्रदेश के 38 जिलों में 310 नए पशु चिकित्सालय भवनों का होगा निर्माण

जयपुर। राजस्थान को विकास के नए आयाम देने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सार्थक पहल एवं पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत के निर्देशन में प्रदेश की पशु चिकित्सालयों में आधारभूत संरचनाओं के साथ राज्य की पशु चिकित्सा व्यवस्था के समग्र रूप से सुदृढीकरण के लिए निरंतर रूप से प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में राजस्थान सरकार ने राज्य के 310 पशु चिकित्सालयों के नए भवनों के निर्माण के लिए 144 करोड़ 15 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की है। इन निर्माण कार्यों को प्रारम्भ करने के आदेश जारी करते हुए प्रति पशु चिकित्सालय 46.50 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। इसके तहत अजमेर, अलवर, बालोतरा, बांसवाड़ा, बारां, बाड़मेर, ब्यावर, भरतपुर, भीलवाड़ा, बीकानेर, बूंदी, चितौड़गढ़, चूरू, दौसा, डीग-भरतपुर, डूंगरपुर, जयपुर, जैसलमेर, जालौर, झालावाड़, झुंझुनू, जोधपुर, करौली, खैरथल-तिजारा, कोटा, कोटपूतली-बहरोड़, कुचामन सिटी, नागौर, पाली, फलौदी, प्रतापगढ़, राजसमंद, सलूंबर, सवाईमाधोपुर, सीकर, सिरोही, श्रीगंगानगर, टोंक व उदयपुर जिले में नए पशु चिकित्सा भवन निर्माण के लिए पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने बताया कि ग्रामीण विकास निधि के तहत 31 मार्च-2029 तक इन भवनों के निर्माण कार्य को पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने बताया कि जयपुर के 26, भीलवाड़ा, पाली और नागौर के 18-18, झुंझुनू के 17, जोधपुर के 16, चित्तौड़ के 14 स्थानों पर पशु चिकित्सालय भवन निर्मित करने के लिए प्रत्येक जिले को प्रति चिकित्सालय 46.50 लाख रुपये की राशि मंजूर की गई है।

जमीन को लेकर हुआ झगड़ा, महिला की गोली मारकर हत्या

जयपुर। राजस्थान के अलवर जिले में जमीन विवाद को लेकर हुई हिंसक झड़प के दौरान शुक्रवार सुबह एक महिला की गोली मारकर हत्या कर दी गई और छह अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घटना नौगांवा थाना क्षेत्र के रायसिख बास गांव की है, जहां एक ही परिवार के दो पक्ष के लोगों ने एक-दूसरे पर लाठियों और पत्थरों से हमला किया। पुलिस के अनुसार विवाद के बाद एक पक्ष ने गोली चला दी, जो 50 साल की दीपो बाई की गर्दन के पास लगी और घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पूछताछ के लिए चार संदिग्ध व्यक्तियों को हिरासत में लिया गया है और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। पुलिस ने बताया, तीन बीघा जमीन को लेकर करीब 20 दिन से झगड़ा जारी था। दीपो बाई के पति चरण सिंह दो बीघा जमीन पर खेती करते थे जबकि बाकी एक बीघा पर उनका चचेरा भाई जंगीर खेती कर रहा था। पुलिस का कहना है कि शुक्रवार सुबह जंगीर सिंह सात-आठ लोगों के साथ पिस्तौल और डंडे लेकर आया और चरण सिंह के घर पर हमला कर दिया। पुलिस ने कहा कि पत्थरबाजी के दौरान उसने कथित तौर पर गोली चला दी जिससे दीपो बाई की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि हमले में घायल हुए दीपो के पति चरण सिंह, बेटों कुलदीप व कुलवंत, और दो अन्य लोगों का अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

कृषि उपज मण्डी समिति का सचिव रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने शुक्रवार को धौलपुर जिले में कृषि उपज मण्डी समिति के सचिव को 45 हजार रुपये की कथित रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार कृषि उपज मण्डी समिति के सचिव कैलाश चन्द मीणा को रिश्वत मामले में गिरफ्तार किया गया है। एसीबी की ओर से जारी बयान के अनुसार परिवादी ने शिकायत दी थी कि उसने कृषि मण्डी समिति धौलपुर में कृषि जिन्स (आड़त) व्यापार के लाइसेंस के लिए आवेदन किया था। आरोपी सचिव मीणा द्वारा परिवादी को उक्त लाइसेंस जारी करने की एवज में 50,000 रुपये की रिश्वत मांग कर परेशान किया जा रहा है। एसीबी की टीम ने आज 'ट्रैप' कार्रवाई करते हुए आरोपी सचिव मीणा को उनके कार्यालय में परिवादी से 45,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया। इस मामले में विस्तृत जांच की जा रही है।

राजस्थान में 78 प्रतिशत मतदाताओं की मैपिंग पूरी : राज्य सीईओ

जयपुर। राजस्थान में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत 78 प्रतिशत मतदाताओं की मैपिंग पूरी हो चुकी है और 9,000 से अधिक बूथों पर 100 प्रतिशत काम हो चुका है। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) नवीन महाजन ने बताया कि पिछले नौ दिन में मैपिंग 70 प्रतिशत से बढ़कर 78 प्रतिशत हो चुकी है। इस प्रकार राज्य के 78 प्रतिशत मतदाताओं को अब किसी भी प्रकार के दस्तावेज प्रस्तुत करने की आवश्यकता नहीं रहेगी। उन्होंने बताया कि मैपिंग को बढ़ाकर 85 प्रतिशत तक ले जाने का लक्ष्य है। महाजन ने बताया कि राज्य में कुल पांच करोड़ 46,56,215 गणना प्रपत्रों में से चार करोड़ 80 लाख से अधिक प्रपत्र ईसीआई-नेट पर अपलोड किए जा चुके हैं। जो निर्धारित अवधि से सात दिन पूर्व ही 88 प्रतिशत उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि यह सफलता तकनीकी दक्षता, टीमवर्क और जिला स्तर पर सतत निगरानी का परिणाम है। राजस्थान के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने एक बयान में कहा कि राज्य के 9,000 से अधिक मतदान केंद्रों पर बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) ने 100 प्रतिशत काम पूरा कर लिया है। समय पर काम पूरा करने वाले लगभग 2,500 बीएलओ को सम्मानित किया जा चुका है। साथ ही, एसआईआर में उत्कृष्ट काम करने वाले 26 निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों (ईआरओ) को राज्य स्तर पर सम्मानित किया गया है।

भगवान शिव को नोटिस भेजने वाला जेडीए का अधिकारी निलंबित

जयपुर। जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) की ओर से भगवान शिव के नाम नोटिस जारी करने की अजीबोगरीब कार्रवाई पर अब सरकार सख्त हो गई है। मामला मुख्यमंत्री कार्यालय तक पहुंचा, तो तुरंत कड़ा कदम उठाया गया। सूत्रों के मुताबिक, मुख्यमंत्री कार्यालय ने इस प्रकरण को राजकाज में गंभीर लापरवाही मानते हुए प्रवर्तन अधिकारी अरुण कुमार पूनियां को निलंबित करने के आदेश जारी कर दिए। प्रशासन ने साफ कहा है कि अधिकारी का यह कृत्य कर्तव्य विमुखता के साथ-साथ स्वैच्छाचारिता का भी प्रतीक है, जो किसी भी स्तर पर स्वीकार्य नहीं है। सरकारी महकमों में दस्तावेज़ी औपचारिकताओं के बीच भले ही कई बार चूकें होती हों, लेकिन इस तरह भगवान के नाम नोटिस जारी होना पूरे सिस्टम पर सवाल खड़ा करता है। यही वजह है कि इस मामले में तत्काल और सख्त कार्रवाई की गई।

मुख्यमंत्री से अभिनेता अक्षय कुमार की भेंट

जयपुर। लोकप्रिय अभिनेता अक्षय कुमार ने गुरुवार को राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मुलाकात की। अक्षय कुमार ने राज्य सरकार की प्रशंसा करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राजस्थान तेजी से नई उंचाइयां छू रहा है। सौर ऊर्जा के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य हुआ है। वहीं, राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू किए गए हैं। उन्होंने कहा कि जयपुर के इन्फ्रास्ट्रक्चर में भी बड़ा बदलाव आया है। अक्षय कुमार ने कहा कि राजस्थान का अपनापन सबसे अलग है। किसी को मेहमान नवाजी सीखनी है तो यहां से सीखें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा ऐतिहासिक भवनों के संरक्षण की दिशा में लिए गए निर्णय सराहनीय हैं। उन्होंने कहा कि वे राजस्थान में कई फिल्मों की शूटिंग विभिन्न जगहों पर कर चुके हैं और भविष्य में भी यहां शूटिंग करने आते रहेंगे।

रिहायशी इलाके में घूम रहा तेंदुआ पकड़ में आया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर के रिहायशी इलाके में घूम रहे एक तेंदुए को बृहस्पतिवार देर रात चांदपोल इलाके के पास एक दुकान से बेहोश (ट्रैंक्विलाइज) कर पकड़ लिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार यह तेंदुआ एक आवासीय परिसर में स्थित दुकान के अंदर छिपा हुआ दिखा। दुकानदार ने शटर बंद कर दिया और पुलिस व वन अधिकारियों को सूचित किया। वन विभाग की टीम ने रात करीब 11 बजे उसे पकड़ने का अभियान शुरू किया और लगभग तीन घंटे में वह पकड़ा गया।

ऐसा संदेह है कि यह तेंदुआ संजय सर्किल से चांदपोल इलाके में पहुंचा और घर में घुस गया। तेंदुए को बृहस्पतिवार सुबह शास्त्री नगर में और मंगलवार रात विद्याधर नगर इलाके में देखा गया था। जयपुर शहर के रिहायशी इलाकों में इन्हीं दिनों में कई बार तेंदुए घूमते देखे गए हैं। एक सीसीटीवी फुटेज में बुधवार रात को कल्याण कॉलोनी में एक तेंदुआ सड़क पार करते हुए और सीकर हाउस इलाके के पास एक घर की छत पर दिखा। इससे डरे हुए लोग बृहस्पतिवार को अपने घरों के अंदर रहे। वन विभाग की टीमों ने तेंदुए को ढूंढने की कोशिश की लेकिन वह नजर नहीं आया।

एक रात पहले विद्याधर नगर इलाके में तेंदुआ घूमता दिखा जिसने कथित तौर पर एक बछड़े का शिकार कर लिया था।

बाद में तेंदुए को पानीपेच इलाके में देखा गया। पिछले हफ्ते जयपुर के अति सुरक्षित माने जाने वाले सिविल लाइंस इलाके में एक तेंदुआ देखा गया था। वह एक मंत्री के बंगले और बाद में एक स्कूल के अंदर घूम रहा था। जयपुर शहर के पास तेंदुओं के दो बड़े ठिकाने झालाना और नाहरगढ़ का जंगल है। वन अधिकारियों को संदेह है कि शहर की सीमा के पास इन जंगली इलाकों में कई दर्जन तेंदुए रहते हैं।

मुख्य सचिव ने दिए सभी विभागों को निर्देश - कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए मिशन मोड पर करें कार्य

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने सरकार के विभिन्न विभागों के प्रमुखों के साथ शुक्रवार को शासन सचिवालय में एक उच्च-स्तरीय बैठक में वर्तमान सरकार के 2 वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित किये जाने वाले कार्यक्रमों की तैयारियों की व्यापक समीक्षा की। उन्होंने इस अवसर पर आयोजित होने वाले 15 दिवसीय कार्यक्रमों की श्रृंखला के साथ-साथ 10 दिसंबर को आयोजित किए जाने वाले प्रवासी राजस्थानी दिवस के सफल और प्रभावशाली आयोजन सुनिश्चित करने के लिए दिशा-निर्देश प्रदान किये तथा इस मैराथन आयोजन के लिए सभी अधिकारियों को कार्यक्रम के सफल आयोजन में जुटने को कहा। श्रीनिवास ने बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि राज्य सरकार के 2 वर्ष के कार्यकाल पूर्ण होने का यह कार्यक्रम माननीय मुख्यमंत्री की प्राथमिकताओं में से एक है और इसे सफल बनाना सभी विभागों की जिम्मेदारी है।

बैठक के प्रारंभ में मुख्य सचिव ने 10 दिसंबर को होने वाले प्रवासी राजस्थान दिवस पर आयोजित की जाने वाली गतिविधियों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर प्रदेश में औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा देकर आर्थिक प्रगति सुनिश्चित करने के लिए उद्योग विभाग से संबंधित ग्लोबल कैपबिलिटी सेन्टर पॉलिसी, व्यापार प्रोत्साहन नीति, सेमीकन्डक्टर पॉलिसी, ग्रीन ग्रोथ क्रेडिट पॉलिसी, औद्योगिक क्लस्टर्स सहित अन्य महत्वपूर्ण पॉलिसियों का शुभारम्भ किया जाएगा।

श्रीनिवास ने कहा कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल के 2 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में होने वाले कार्यक्रम की शुरुआत 11 दिसंबर को बदलता राजस्थान बढ़ता राजस्थान रथों की रवानगी से होगी। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा इन रथों को जयपुर से लॉन्च करेंगे।

सक्षम-संपन्न लोगों को अब नहीं मिलेगा गरीबों के हक का गेहूं

जयपुर। प्रदेश में माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जी के दिशा निर्देशों की पालना में अधिक से अधिक पात्रों को जन कल्याणकारी योजनाओं से जोड़कर लाभान्वित किया जा रहा है। इसी क्रम में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग द्वारा गिव अप अभियान के तहत लगातार अपात्रों को अपनी खाद्य सब्सिडी छोड़ने हेतु प्रेरित किया जा रहा है ताकि गरीबों को उनके हक का अनाज मिल सके। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने बताया कि गत वर्ष 1 नवंबर को शुरू हुए गिव अप अभियान के तहत प्रदेश में अब तक 48 लाख संपन्न लोगों ने स्वेच्छा से अपना नाम खाद्य सुरक्षा सूची से हटाया है। खाद्य सुरक्षा सूची में इससे बनी रिक्तियों के कारण खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग लगातार वास्तविक हकदारों को खाद्य सुरक्षा से जोड़ पा रहा है। उन्होंने कहा कि संपन्न लोगों को अधिक से अधिक संख्या में अपनी खाद्य सब्सिडी का त्याग करना चाहिए ताकि असल वंचितों को उनका हक मिल सके। उन्होंने कहा कि 31 दिसंबर को गिव अप अभियान की अवधि समाप्त होने के उपरांत स्वेच्छा से खाद्य सुरक्षा नहीं त्यागने वाले अपात्रों के विरुद्ध नियमानुसार दंडात्मक एवं वसूली की कार्रवाई की जाएगी। इस संबंध में सभी जिला रसद अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए गए हैं!

26 जनवरी 2025 को माननीय मुख्यमंत्री जी के कर कमलों से खाद्य सुरक्षा पोर्टल पुन: प्रारंभ किए जाने के बाद गिव अप अभियान के कारण एवं ई केवाईसी नहीं करवाने से एनएफएसए में बनी रिक्तियों से आज दिनांक तक 70 लाख 25 हजार से अधिक वंचित पात्र लोगों को खाद्य सुरक्षा से जोड़ा गया है। गोदारा ने बताया कि राज्य सरकार के इस कदम से खाद्य सुरक्षा का लाभ वास्तविक वंचितों को मिल रहा है।

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग द्वारा जारी दिशा निर्देशों के अनुसार ऐसे परिवार, जिनका कोई भी एक सदस्य सरकारी/अर्द्धसरकारी/स्वायत्त शासी संस्थाओं में नियमित कर्मचारी/अधिकारी हो अथवा एक लाख रुपये वार्षिक से अधिक पेंशन प्राप्त करता है, जिस परिवार का कोई भी एक सदस्य आयकरदाता हो तथा ऐसे परिवार जिनके किसी भी एक सदस्य के पास चारपहिया वाहन हो , खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत अपात्र होंगे। साथ ही विभाग सालाना 50 हज़ार से अधिक बिजली का बिल जमा कराने वाले, घरों मे एयर कंडीशनर का उपयोग करने वाले एवं एमएसपी दर पर सरकार को सौ क्विंटल से अधिक फसल विक्रय करने वाले एनएफएसए लाभार्थियों की पात्रता की भी जांच करेगा।

प्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के समावेशी विकास के लिए कृत संकल्पित : पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पंचायती राज परिसीमन के तहत जन भावनाओं के अनुरूप विधानसभा क्षेत्र लूणी में नवीन पंचायत समिति झंवर तथा नवसृजित ग्राम पंचायतों के गठन की घोषणा से पूरे क्षेत्र में खुशी मनाई जा रही है। स्थानीय ग्रामीणों ने इस बहुप्रतीक्षित निर्णय के लिए माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल का आभार व्यक्त किया। पटेल ने कहा यशस्वी मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में प्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के समावेशी विकास के लिए कृत संकल्पित होकर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा हमारा प्रयास है कि विकास में क्षेत्रीय विषमता कम से कम हो। उन्होंने कहा झंवर पंचायत समिति और नई ग्राम पंचायतों का गठन प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सरल बनाएगा तथा लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ और अधिक सुगमता से मिल सकेगा। उन्होंने कहा यह निर्णय क्षेत्र की वास्तविक जरूरतों को ध्यान में रखकर लिया गया है, जिससे भविष्य में विकास कार्यों को नई दिशा मिलेगी।

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा नई पंचायतों एवं समितियों के गठन से अब शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, जल-प्रबंधन और कृषि से जुड़े कार्यों को समयबद्ध रूप से संपादित किया जाएगा। उन्होंने कहा स्थानीय समस्याओं का गांव स्तर पर ही अधिक प्रभावी ढंग से समाधान सुनिश्चित होगा, जिससे पारदर्शिता, जवाबदेही और जनसहभागिता भी बढ़ेगी।

क्षेत्रवासियों ने माननीय मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और विधि मंत्री जोगाराम पटेल को धन्यवाद देते हुए कहा कि यह निर्णय न केवल वर्षों पुरानी मांग का समाधान है बल्कि आने वाले समय में क्षेत्र के समग्र विकास का मार्ग भी प्रशस्त करेगा। उन्होंने कहा नई पंचायतों के गठन से उनकी आवाज़ और अधिक मजबूती से नीति निर्धारण तक पहुँचेगी।

सोने का घरेलू खनन बढ़ने से भारत इसकी कीमतें तय करने में भी भूमिका निभाएगा : विशेषज्ञ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत अगले दशक में घरेलू खनन के जरिये अपनी स्वर्ण मांग का लगभग 20% पूरा कर सकता है, जिससे वह वैश्विक बाजार में 'प्राइस-मेकर' बनने की दिशा में आगे बढ़ सकेगा। स्वर्ण उद्योग के विशेषज्ञों ने शुक्रवार को यह बात कही।

विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) के भारत क्षेत्र के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सचिन जैन ने यहां रत्न एवं आभूषण सम्मेलन में कहा कि पर्याप्त घरेलू खनन और मजबूत स्वर्ण बैंकिंग प्रणाली के अभाव में भारत अभी तक वैश्विक कीमतों का 'प्राइस-टेकर' बना हुआ है। उन्होंने उद्योग मंडल 'चैंबर ऑफ कॉमर्स ऑफ इंडिया' (सीसीआई) के सम्मेलन में कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक की पहल और बैंकिंग प्रणाली के विकास के साथ भारत की वैश्विक स्वर्ण कीमतों पर पकड़ मजबूत होगी और यह 'प्राइस मेकर' बनने का रुख करेगा।

भारत अभी सोने की कीमतें खुद तय नहीं करता है और वह विदेशी बाजारों में तय होने वाली कीमतों को मानने के लिए मजबूर होने की वजह से 'प्राइस-टेकर' है। लेकिन घरेलू स्तर पर सोने का खनन बढ़ने से वह इसकी कीमतों को भी प्रभावित या तय करने की क्षमता हासिल कर लेगा जो कि प्राइस-मेकर होगा।

भारत ने राक्षसी वृत्ति को आतंकवाद के रूप में माना, उसके खिलाफ लड़ाई जारी : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत ने आतंकवाद को राक्षसी वृत्ति के रूप में माना है और उसके खिलाफ लड़ाई लड़ रहा है।

योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ के सुलतानपुर मार्ग स्थित ब्रह्माकुमारी राजयोग सेंटर गुलजार उपवन में राज्य स्तरीय वार्षिक ''विश्व एकता एवं विश्वास के लिए ध्यान (योग)'' समारोह की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा शुरुआत किए जाने के मौके पर अपने संबोधन में कहा, ''जीवन का एक पक्ष सकारात्मकता की तरफ ले जाकर अच्छे कार्य की प्रेरणा देता है तो दूसरा पक्ष नकारात्मकता की तरफ लेकर

जाता है। भारत की परंपरा ने राक्षसी वृत्ति को आतंकवाद के रूप में माना है और भौतिक-आध्यात्मिक रूप से उसके खिलाफ लड़ाई भी लड़ रहा है।'' योगी ने कहा कि ''भारत की ऋषि परंपरा की मान्यता रही है कि व्यक्ति के बंधन और मोक्ष का कारण उसका मन है। सद्गुरु रविदास जी ने भी कहा था कि मन चंगा तो कठौती में गंगा, यानी मन की बहिर्मुखी वृत्ति को जो व्यक्ति अंतर्मुखी कर लेगा, वह न केवल आत्मिक संतुष्टि का लाभ प्राप्त कर सकता है, बल्कि विश्व कल्याण का मार्ग भी प्रशस्त कर सकता है।''

मुख्यमंत्री ने कहा, ''दुनिया में आज जो आतंकवाद, उपद्रव व अराजकता है, इसके पीछे मन की चंचल वृत्तियां हैं। जहां भी अराजकता देखने को मिलती है, उसके पीछे वह बहिर्मुखी वृत्तियां हैं, जो उसे नकारात्मकता की तरफ लेकर जाती हैं।'' उन्होंने कहा कि 2014 में मोदी जी ने प्रधानमंत्री के रूप में देश का नेतृत्व संभालने के बाद भारत की योग की विधा को संयुक्त राष्ट्र से मान्यता दिलाकर 21 जून को विश्व योग दिवस के रूप में मान्यता दिलाई थी। पूरा भारत प्रधानमंत्री जी के प्रति हृदय से आभारी है कि उन्होंने ऋषि परंपरा के 'प्रसाद' योग विधा को वैश्विक मान्यता दिलाई।

एआई, डिजिटल इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म भारत के रोग निगरानी प्रणाली को बदल देंगे

नई दिल्ली/भाषा। भारत अपनी रोग निगरानी प्रणाली में बदलाव करते हुए पुरानी प्रौद्योगिकी के बजाय अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), वास्तविक समय डेटा विश्लेषण और डिजिटल इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म जैसी अत्याधुनिक प्रौद्यागिकी का इस्तेमाल करने जा रहा है। इन नई प्रौद्योगिकी से बीमारियों का पूर्वानुमान लगाने में भी मदद मिलेगी।

नई प्रौद्यागिकी के उपयोग के साथ यह बदलाव देश में किसी भी बीमारी के फैलने से पहले ही उसकी पहचान करने में मदद मिलेगी, शीघ्र निर्णय लिए जा सकेंगे और रोग को समय रहते नियंत्रित किया जा सकेगा।

राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी) के अधिकारियों ने कहा कि यह कदम एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम (आईडीएसपी) के एकीकृत स्वास्थ्य सूचना मंच (आईएचआईपी) के तहत पहले से ही उपयोग में लाई जा रही एआई-आधारित निगरानी प्रणालियों की सफलता पर आधारित है। 'मीडिया स्कैनिंग एंड वेरिफिकेशन सेल' (एमएसवीसी) एक एआई-संचालित प्रणाली का उपयोग कर रही है जो प्रतिदिन 13 भारतीय भाषाओं में लाखों ऑनलाइन समाचार खबरों पर नजर रखती है तथा बीमारियों के प्रकार, स्थान और पैमाने सहित विभिन्न जरूरी जानकारी निकालकर स्वास्थ्य संबंधित डेटा तैयार करती है।

उन्होंने कहा कि प्रणाली ने 2022 से अब तक तीन करोड़ से अधिक समाचार लेखों को संसाधित किया है, जिसमें 95 हजार से अधिक स्वास्थ्य संबंधी घटनाओं को चिह्नित किया गया है।

ओडिशा की माओवादी आत्मसमर्पण और पुनर्वास नीति में संशोधन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा में वामपंथी उग्रवाद के उन्मूलन के लिए राज्य सरकार ने माओवादी आत्मसमर्पण और पुनर्वास नीति में संशोधन किया है जिसमें अधिकतम 1.20 करोड़ रुपए तक की वित्तीय सहायता का प्रावधान है और आत्मसमर्पण किए गए आग्नेयास्त्रों के लिए भी इनाम राशि बढ़ा दी गई है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (नक्सल रोधी अभियान) संजीव पांडा ने कहा कि शीर्ष माओवादी यदि ओडिशा में आत्मसमर्पण करते हैं तो उन्हें 1.20 करोड़ रुपए मिलेंगे, जिसमें 10 लाख रुपए की वित्तीय सहायता शामिल है। इसी तरह, माओवादियों के राज्य समिति सदस्य/विशेष क्षेत्रीय समिति सदस्य को 65 लाख रुपए मिलेंगे। इसके अलावा, विभिन्न स्तर के नक्सलियों को आत्मसमर्पण करने पर अलग-अलग राशि का प्रावधान किया गया है। ओडिशा के गृह विभाग ने जारी अधिसूचना में कहा कि यदि माओवादी हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटकों के साथ आत्मसमर्पण करता है तो वह बढ़ी हुई वित्तीय सहायता का हकदार होगा। इसमें कहा, ''आत्मसमर्पण और पुनर्वास नीति का उद्देश्य राज्य में वामपंथी उग्रवाद को रोकना और उसका उन्मूलन करना है। इस नीति का उद्देश्य यह भी सुनिश्चित करना है कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सली उग्रवाद की ओर न लौटें। इसके लिए उन्हें रोजगार और उद्यमशीलता के अवसर प्रदान किए जाएं।''

खिलाड़ियों की मौत पर पंजाब के मुख्यमंत्री का राजनीति करना दुर्भाग्यपूर्ण : नायब सिंह सैनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने राज्य में बास्केटबॉल पोल गिरने की अलग-अलग घटनाओं में दो किशोर खिलाड़ियों की मौत पर पड़ोसी राज्य पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान द्वारा की गई टिप्पणी की आलोचना करते हुए कहा कि ऐसी त्रासदियों पर राजनीति करना दुर्भाग्यपूर्ण है।

राष्ट्रीय सब-जूनियर बास्केटबॉल चैंपियनशिप में भाग लेने वाले 16 वर्षीय हार्दिक की मंगलवार को रोहतक के लाखन माजरा गांव में अभ्यास के दौरान मौत हो गई, जबकि बहादुरगढ़ में घायल हुए 15 वर्षीय अमन ने सोमवार को पीजीआईएमएस रोहतक में इलाज के दौरान अंतिम सांस ली। मान ने बृहस्पतिवार को रोहतक में राठी के परिवार से मिलने के बाद हरियाणा के खेल बुनियादी ढांचे की स्थिति पर सवाल उठाया। उन्होंने सवाल किया कि खेल के मैदानों पर अपने बच्चों की सुरक्षा के बारे में चिंता करने से ज्यादा ''माता-पिता के लिए बड़ी असुरक्षा'' क्या हो सकती है।

पंजाब में आम आदमी पार्टी (आप) सरकार का नेतृत्व कर रहे मान ने हालांकि कहा कि वह वहां ''खेल प्रेमी के तौर पर'' आए थे, न कि राजनीति के लिए।

सैनी ने पंजाब के अपने समकक्ष पर निशाना साधते हुए कहा, ''मैं भगवंत मान से कहना चाहता हूं कि परिवार के पास जाकर दुख बांटना अच्छी बात है, लेकिन ऐसे मुद्दों पर राजनीति नहीं की जानी चाहिए।'' हरियाणा के मुख्यमंत्री ने चंडीगढ़ रेलवे स्टेशन पर आयोजित एक कार्यक्रम से इतर संवाददाताओं से बातचीत के दौरान पंजाब में कबड्डी खिलाड़ियों की हत्या की घटनाओं का जिक्र करते हुए मान से कहा कि ''वह अपने राज्य में देखें''।

हरियाणा के खेल मंत्री गौरव गौतम ने बृहस्पतिवार को रोहतक दौरे के दौरान मान की टिप्पणी को ''राजनीति से प्रेरित'' करार दिया था। इस बीच, सैनी ने कहा कि हरियाणा के एथलीट राज्य का गौरव हैं और इन मौतों के बाद सभी खेल बुनियादी ढांचे के गहन निरीक्षण के आदेश दिए गए हैं। हरियाणा के मुख्यमंत्री ने मान को अपने और आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल द्वारा सत्ता में आने के एक महीने के भीतर पंजाब को नशा मुक्त करने के वादों की याद दिलाई। उन्होंने कहा, ''हालात ऐसे हैं कि कई युवा इस समस्या का शिकार हो गए हैं।''

भुवनेश्वर में केंद्रीय विद्यालय-3 के पास फेंके गए देसी बम, कोई जख्मी नहीं

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के भुवनेश्वर में शरारती तत्वों ने केंद्रीय विद्यालय-3 के पास शुक्रवार सुबह देसी बम फेंके, जिससे इलाके में दहशत फैल गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। हालांकि, इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। सूचना मिलते ही मंचेश्वर थाने की एक टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। भुवनेश्वर-कटक के पुलिस आयुक्त एस देव दत्ता सिंह ने भी घटनास्थल का दौरा किया। सिंह ने कहा, हमारी वैज्ञानिक टीम ने घटनास्थल का दौरा किया और नमूने एकत्र किए। जांच के लिए दो टीम गठित की गई हैं। उन्होंने कहा कि प्रथम दृष्टया यह एक सामान्य देसी बम प्रतीत होता है, जिसे किसी शरारती तत्व ने फेंका है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, बाइक सवार हमलावरों ने स्कूल के द्वार पर बम फेंके, जहां आमतौर पर सुबह के समय छात्रों की भारी आवाजाही रहती है।

एसआईआर देशवासियों के खिलाफ बड़ी साजिश : अखिलेश यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि ये देशवासियों के खिलाफ एक बहुत बड़ी साजिश है, जो अंग्रेजों की गुलामी से भी खराब स्थिति में ले जाएगी। वहीं, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश प्रवक्ता हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव ने यादव पर पलटवार करते हुए कहा कि सपा मुखिया अपने पोस्ट के माध्यम से जनता-जनार्दन में भय और भ्रम फैलाने का कुत्सित प्रयास कर रहे हैं।

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने बृहस्पतिवार को एक्स पर एसआईआर प्रक्रिया का 20 सेकंड का एक वीडियो साझा करते हुए एक पोस्ट में कहा, ये लोकतंत्र के साथ धोखाधड़ी है। जनता जागरुक हो। आज वोट काटा जा रहा है, कल को खेत-जमीन-मकान-राशन-जाति-आरक्षण से नाम काटा जाएगा। फिर बात खातों और मध्यम वर्ग के लॉकर तक पहुंच जाएगी। यादव ने अपने लंबे पोस्ट में कहा, ये देशवासियों के खिलाफ एक बहुत बड़ी साजिश है, जो अंग्रेजों की गुलामी से भी खराब स्थिति में ले जाएगी। ये समय जागने का है और एक-एक वोट बचाने का है। उन्होंने विपक्षी दलों के साथ ही राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में भाजपा के सहयोगी दलों का आह्वान करते हुए कहा, ''हमारी सभी विपक्षी दलों और यहां तक कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सभी सहयोगी दलों से यह अपील है कि एकजुट हों और भाजपा के इस महा-षड्यंत्र का पर्दाफाश करें।

मोहाली स्थित सेमी कंडक्टर लेबोरेटरी को 4,500 करोड़ रुपए से आधुनिक बनाएगी सरकार : वैष्णव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मोहाली/भाषा। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को कहा कि सरकार अगले तीन साल में सरकारी चिप कंपनी सेमी-कंडक्टर लेबोरेटरी (एससीएल) को आधुनिक बनाने के लिए 4,500 करोड़ रुपए का निवेश करने जा रही है।

इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) के अंतर्गत आने वाली स्वायत्त संस्था सेमी-कंडक्टर लेबोरेटरी (एससीएल) देश की एकमात्र एकीकृत डिवाइस विनिर्माण सुविधा है, जो एप्लीकेशन स्पेसिफिक इंटीग्रेटेड सर्किट्स (एएसआईसीएस), ऑप्टो-इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरणों और माइक्रो इलेक्ट्रो मैकेनिकल प्रणाली (एमईएमएस) उपकरणों के विकास के लिए सभी समाधान मुहैया कराती है। मंत्री ने कहा कि विस्तार के लिए केंद्र ने पंजाब सरकार से 25 एकड़ जमीन देने का अनुरोध किया है। वैष्णव यहां 'डिवाइस हैंडओवर' समारोह में कहा, ''अगले तीन साल में 4,500 करोड़ रुपए के निवेश से एससीएल को आधुनिक बनाया जाएगा।'' उन्होंने कहा कि एससीएल सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सपने को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और इस सुविधा के निजीकरण का कोई सवाल ही नहीं है।

जाति आधारित राजनीति के जरिये समाज को बांटने की कोशिश में विपक्ष : चिराग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि बिहार में विपक्षी दल जाति और धर्म के आधार पर समाज को बांटने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया उनकी पार्टी ने महिलाओं और युवाओं को अपनी राजनीति के केंद्र में रखा है।

पासवान ने यह टिप्पणी लोजपा के 25वें स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को डिजिटल माध्यम से संबोधित करते हुए की। उन्होंने कहा, विपक्षी दलों ने अपने एमवाई (मुस्लिम-यादव) एजेंडे के जरिए समाज को बांटने का प्रयास किया, जबकि लोजपा

(रामविलास) ने एक नए एमवाई समीकरण महिला और युवा को आगे बढ़ाया। चिराग ने तेजस्वी यादव के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर अप्रत्यक्ष रूप से निशाना साधते हुए यह बात कही। राजद ने बिहार में 143 विधानसभा सीट पर चुनाव लड़ा, लेकिन उसे केवल 25 सीट पर जीत हासिल हुई। वहीं, लोजपा (रामविलास) ने 28 में से 19 सीटों पर जीत दर्ज की। इसके अलावा पार्टी के चार सांसद हैं। कार्यक्रम में पार्टी के सभी विधायक मौजूद थे। अपनी अनुपस्थिति पर खेद जताते हुए पासवान ने कहा कि आंख में संक्रमण होने के कारण वह कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सके। उन्होंने कहा, मैं यहां लोगों से क्षमा चाहता हूं कि कार्यक्रम में नहीं आ पाया। पिछले दो दिन से आंख में संक्रमण है। चिकित्सक ने यात्रा की अनुमति नहीं दी क्योंकि संक्रमण बढ़ रहा था।

स्वतंत्र भारत के इतिहास में हिमंत सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री : पवन खेड़ा

गुवाहाटी/भाषा। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने शुक्रवार को दावा किया कि असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा स्वतंत्र भारत के इतिहास में सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री हैं।

खेड़ा ने संवाददाता सम्मेलन में दावा किया कि शर्मा जानते हैं कि असम के लोग आगामी विधानसभा चुनाव में उन्हें हरा देंगे। उन्होंने आरोप लगाया, ''इसलिए, वह अपने विरोधियों को गिरफ़्तार करने के लिए पुलिस की, और निर्वाचन आयोग की भी मदद ले रहे हैं जिसने राज्य में मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) करने का निर्देश दिया है।''

खेड़ा ने दावा किया, ''असम में राज्य के बाहर से मतदाताओं को लाने और उनके नाम मतदाता सूची में डालने के लिए विशेष पुनरीक्षण किया जा रहा है।''

ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के मीडिया एवं प्रचार विभाग प्रमुख ने कहा कि असम के लोग शर्मा को चुनाव में हराना चाहते हैं और वह इस बात को बखूबी जानते हैं। उन्होंने दावा किया कि यदि शर्मा सत्ता से बाहर हो जाते हैं तो उन्हें जेल भेजा जाएगा, जहां उन्हें होना चाहिए।

हेमंत सोरेन ने दूसरे कार्यकाल की पहली सालगिरह 9,000 नियुक्ति पत्र बांट कर मनाई

रांची/भाषा। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्य सरकार के विभिन्न विभागों में भर्ती किए गए 9,000 युवाओं को नियुक्ति पत्र बांटकर कर शुक्रवार को अपनी सरकार के दूसरे कार्यकाल की पहली सालगिरह मनाई। सोरेन ने रांची के मोरहाबादी मैदान में एक समारोह को संबोधित करते हुए दावा किया कि 9,000 नियुक्ति पत्रों के वितरण के साथ, उनकी सरकार ने पिछले एक साल में राज्य के विभागों में 16,000 नौकरियां प्रदान की हैं।

सोरेन ने कहा, ''मैं उन सभी का हार्दिक स्वागत और बधाई देता हूं जो आज विभिन्न सरकारी विभागों में शामिल हुए हैं।'' उन्होंने दावा किया कि पिछले एक साल में 16,000 सरकारी नौकरियां दी गई हैं। इनके अलावा, राज्य प्रशासन ने 8,000 युवाओं को गैर-सरकारी नौकरियों से भी जोड़ा है। सोरेन ने कहा कि उनके पिछले कार्यकाल (2020-2024) के दौरान, झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेतृत्व वाली सरकार ने सरकारी विभागों में लगभग 25,000 लोगों को नौकरियां दी थीं और निजी क्षेत्र में 28,000 से अधिक युवाओं के लिए रोजगार सुनिश्चित किया था।

कपिल शर्मा के कनाडा स्थित रेस्तरां में गोलीबारी में शामिल गैंगस्टर गिरफ्तार

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली पुलिस ने हास्य कलाकार कपिल शर्मा के कनाडा स्थित रेस्तरां पर सात अगस्त को हुई गोलीबारी में कथित रूप से शामिल एक संदिग्ध गैंगस्टर को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि आरोपी बंधु मान सिंह ने कथित तौर पर घटना में शामिल शूटरों को गोलीबारी के लिए साजो-सामान मुहैया कराया था। उसे पंजाब के लुधियाना से गिरफ्तार किया गया है। प्रारंभिक जांच से पता चला कि सिंह ने गोलीबारी के बाद एक कार उपलब्ध कराकर तथा उसके लिए सुरक्षित पार्किंग स्थल की व्यवस्था करके हमलावरों की मदद की थी।

भारतीय ड्रेसिंग रूम में लय वापस लाने पर ध्यान : मोर्ने मोर्कल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट शृंखला में मिली करारी हार से उबरने की कोशिश कर रही भारतीय टीम के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने कहा कि टीम को अब तुरंत तैयार होकर सफेद गेंद के क्रिकेट पर ध्यान लगाना होगा क्योंकि आत्मविश्वास से भरी मेहमान टीम से मुकाबला करने के लिए लय हासिल करना बेहद जरूरी है।

भारत को कोलकाता और गुवाहाटी में दो टेस्ट हारकर 0-2 से शर्मनाक हार मिली है और अब टीम इसी प्रतिद्वंद्वी से तीन मैचों की वनडे शृंखला खेलेगी। रविवार को होने वाले शृंखला के पहले मैच से पहले मोर्कल ने स्वीकार किया कि टेस्ट से सफेद गेंद के क्रिकेट में तेजी से बदलाव मानसिक रूप से चुनौतीपूर्ण होता है लेकिन टीम इसके लिए तैयार है। मोर्कल ने जेएससीए स्टेडियम में टीम के पहले अभ्यास सत्र से पहले कहा, ''पिछले दो हफ्ते हमारे लिए निराशाजनक थे लेकिन अब हमें चीजों पर विचार करने के लिए कुछ दिन मिले हैं। '' उन्होंने कहा, ''अब सबसे जरूरी है कि हम अपनी पूरी ऊर्जा सफेद गेंद की टीम पर लगाएं। पिछले कुछ वर्षों में हम सफेद गेंद के क्रिकेट

में अच्छा खेल रहे हैं। मैं आने वाले हफ्तों के लिए उत्साहित हूं। प्रारूप कुछ भी हो, भारत का प्रतिनिधित्व करना अहम है। ''

मोर्कल ने चेताया कि टेस्ट शृंखला जीतने के बाद दक्षिण अफ्रीका की टीम आत्मविश्वास से भरी होगी। उन्होंने कहा, ''रंगीन जर्सी और गेंद का रंग बदलना अलग ऊर्जा लाते हैं। लेकिन दक्षिण अफ्रीका लय में है और आत्मविश्वासी टीम हमेशा खतरनाक होती है। हमें अगले एक-दो हफ्तों में मजबूत शुरुआत करनी होगी और पिछले दो हफ्तों को पीछे छोड़ना होगा। '' 2026 टी20 विश्व कप की तैयारियों की बात पर उन्होंने साफ किया कि यह वनडे सीरीज केवल विश्व कप अभ्यास नहीं है। उन्होंने कहा, ''टी20 विश्व कप की तैयारी अपनी जगह है, लेकिन जब भी आप भारत की जर्सी पहनते हैं तो आप करोड़ों लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं। ''

मोर्कल ने कहा, ''मेरे लिए फोकस है कि भारतीय ड्रेसिंग रूम में लय वापस लाई जाए। यह तभी होगा जब हम सफेद गेंद से अच्छा और मजबूत क्रिकेट खेलें। '' उन्होंने यह भी कहा कि रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे अनुभवी खिलाड़ियों का टीम में लौटना उत्साहजनक है। के एल राहुल और ऋषभ पंत को एक साथ खिलाने पर उन्होंने कहा, ''मेरा विभाग सिर्फ गेंदबाजी है। चयन की जिम्मेदारी कप्तान और चयनकर्ताओं की है। ''

दूल्हे ने दहेज लेने से इंकार किया, 31 लाख रुपए लौटाए

मुजफ्फरनगर (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में दूल्हे ने दुल्हन के परिवार की तरफ से दिए गए 31 लाख रुपए लेने से इनकार करके एक मिसाल कायम की। एक हफ्ते पहले अवधेश सिंह (26) और अदिति सिंह (24) की यहां बुढ़ाना तहसील के शाहबुद्दीनपुर गांव में शादी हुई। इस दौरान लड़की वालों ने अवधेश को एक थाल में रखकर 31 लाख रुपए दिए, जिन्हें लेने से उन्होंने इंकार कर दिया। इतनी बड़ी रकम लेने से इनकार करने के बाद अवधेश लोगों की निगाहों में आ गए और दोनों पक्षों ने तालियां बजाकर उनकी तारीफ की।

अदिति के परिवार, खासकर उनके नाना सुखपाल सिंह के लिए यह भावनात्मक पल था। अदिति कोविड-19 महामारी के दौरान अपने पिता की मृत्यु के बाद से नाना के पास रह रही थीं। सुखपाल ने नातिन की शादी के लिए ये पैसे रखे हुए थे। लेकिन जैसे ही थाल सामने आई, अवधेश रुक गए। फिर, हाथ जोड़कर और धीरे से झुककर उन्होंने उसे पीछे सरका दिया। उन्होंने कहा, मुझे इसे लेने का कोई हक नहीं है। यह उनके (दुल्हन) नानाजी की मेहनत की कमाई है। अवधेश ने कहा, हम दहेज प्रथा के खिलाफ हैं। इसके बाद थोड़ी देर के लिए आंगन में सन्नाटा छा गया लेकिन फिर मेहमानों ने अवधेश के प्रति सम्मान दिखाते हुए तालियां बजानी शुरू कर दीं। दूल्हे की तरफ से ठाकुर नरेंद्र सिंह ने बाद में बताया कि परिवार ने अदिति के रिश्तेदारों को पहले ही बता दिया था कि वे शगुन के तौर पर सिर्फ एक रुपया लेंगे। उन्होंने कहा, हमें गर्व है कि तब भी, दुल्हन के परिवार ने 31 लाख रुपए का इंतजाम किया।

सुविचार

आपका कर्म आपके सामने जरूर आता है, बात चाहे प्यार की हो या नफरत की।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

स्वस्थ, सशक्त, समृद्ध भारत के लिए संकल्प

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कर्नाटक के उडुपी स्थित श्रीकृष्ण मठ में लक्षकंठ गीता पारायण कार्यक्रम में जिन नौ संकल्पों का उल्लेख किया, वे स्वस्थ, सशक्त और समृद्ध भारत का निर्माण कर सकते हैं। हर भारतीय को उनका पालन करना चाहिए। यह काम एक दिन में नहीं हो सकता। इसमें कुछ साल लग सकते हैं। ये संकल्प पूरी तरह हमारे जीवन का हिस्सा बन जाएं तो भारत को प्रगतिपथ पर तेजी से आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक सकता। प्रधानमंत्री ने जल संरक्षण के संकल्प को प्रथम स्थान पर रखा है, जो इस मुद्दे की गंभीरता को दर्शाता है। देश के कई इलाकों में भूजल का स्तर घट गया है। हमें भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए जल संरक्षण करना होगा। इसके लिए वर्षा जल संग्रहण के प्रयास करने होंगे। हर जगह ऐसे तरीके अपनाने होंगे, जिनकी मदद से वर्षा जल सीधे जमीन में जाए। मई-जून में जब तेज गर्मी पड़ती है, तब लोगों को पेड़-पौधों की याद आती है। पर्यावरण प्रदूषण, ग्लोबल वार्मिंग, जलवायु परिवर्तन जैसी समस्याओं से निपटने के लिए ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाने होंगे। इस संबंध में प्रधानमंत्री द्वारा शुरू किया गया 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान क्रांतिकारी सिद्ध हो सकता है। कम से कम 'एक ग़रीब का जीवन सुधारने का प्रयास' संबंधी संकल्प सर्वसमाज की तस्वीर बदल सकता है। यह कैसे संभव होगा? इसके लिए सर्वश्रेष्ठ उपाय यह हो सकता है कि ऐसे जरूरतमंद लोगों को कोई हुनर सिखाया जाए, ताकि वे खुद स्वाभिमानपूर्वक काम करें और अपनी कमाई से जीवन स्तर सुधारें।

प्रधानमंत्री मोदी 'स्वदेशी' और 'वोकल फॉर लोकल' को अपनाने का आह्वान पहले भी कर चुके हैं। इसका असर दिखाई दे रहा है। हालांकि अभी बहुत कुछ करने की जरूरत है। यह अभियान त्योहारों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। इसे हमारी जीवनशैली का अनिवार्य अंग बनाना होगा। प्रधानमंत्री ने नेचुरल फार्मिंग को बढ़ावा देने पर जोर दिया है, जो समय की मांग है। विषैले रसायनों और कीटनाशकों के कारण मिट्टी की सेहत बिगड़ रही है। अन्न में भी हानिकारक तत्त्व मिल गए हैं, जिससे अनेक प्रकार के रोग पैदा हो रहे हैं। किसानों को प्राकृतिक खाद और कीटनाशकों के बारे में बताना होगा। स्वस्थ जीवनशैली को अपनाते हुए भोजन में मिलेटस की संतुलित मात्रा होनी जरूरी है। प्रधानमंत्री का यह संकल्प जन-जन का संकल्प होना चाहिए। इसमें पोषण विशेषज्ञ महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। किस उम्र के लोग मिलेटस को कितनी मात्रा में अपने भोजन में शामिल करें, शुरुआत में कितनी मात्रा रखें, दूसरे अनाज कितने हों - इन सबके बारे में पर्याप्त जानकारी लेकर ही आगे बढ़ना चाहिए। पहले, जो लोग मिलेटस खाते थे और खूब शारीरिक श्रम करते थे, वे बहुत स्वस्थ रहते थे। अगर इन सभी संकल्पों के साथ योगाभ्यास को अपनाएं तो यह संपूर्ण स्वास्थ्य की दिशा में बहुत बड़ा कदम होगा। आज योगाभ्यास सीखना कोई मुश्किल काम नहीं है। सोशल मीडिया, टेलीविजन चैनलों पर कई विशेषज्ञ हैं, जिनके मार्गदर्शन में लोग घर बैठे सीख सकते हैं। प्रधानमंत्री ने सत्य कहा कि हमारे देश का बहुत-सा पुरातन ज्ञान पांडुलिपियों में छिपा हुआ है। सरकार इस अमूल्य धरोहर को बचाने के लिए काम कर रही है। एआई के दौर में इस ज्ञान से प्रगति के नए रास्ते खुल सकते हैं। युवाओं को इसमें रुचि लेनी चाहिए। शिक्षा, चिकित्सा, खेती समेत कई क्षेत्रों में यह ज्ञान वरदान सिद्ध हो सकता है। इसी सिलसिले में नौवां संकल्प (विरासत से जुड़े 25 स्थानों के दर्शन) एकता की डोर को मजबूत करेगा। साथ ही, अर्थव्यवस्था को नई ऊर्जा देगा। राजनेता और सरकारी अधिकारी इन संकल्पों को गंभीरता से लें। उन्हें देखकर आम लोग भी प्रेरित होंगे।

ट्वीटर टॉक

श्रीगंगानगर में द गंगानगर ट्रेडर्स एसोसिएशन से मिला समारोहपूर्वक स्वागत स्मृति में रहेगा। स्थानीय आर्थिक व्यवस्था को अपने परिश्रम से निरंतर मजबूती प्रदान कर रहे व्यापारी-उद्यमी साथियों का अपनापन, विश्वास और सम्मान अपनेपन की गहरी अनुभूति करा गया।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

महात्मा फुले का सम्पूर्ण जीवन वंचितों के उत्थान, महिला सशक्तिकरण, शिक्षा और समतामूलक समाज के लिए समर्पित रहा। जिस कालखंड में ज्योतिबा जी का जन्म हुआ, उस समय में महिलाओं और वंचित जन के लिए शिक्षा प्राप्त करना सहज नहीं था।

-ओम बिरला

आज इंदौर प्रवास के दौरान माननीय महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव जी के निवास स्थान पर भाजपा कार्यकर्ताओं से शिष्टाचार भेंट हुई। इस अवसर पर शहर के विकास कार्यों एवं जनकल्याण से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई।

-अर्जुनराम मेघवाल

प्रेरक प्रसंग

अहंकार मर्दन

द्वारका में श्रीकृष्ण सिंहासन पर रानी सत्यभामा के साथ विराजमान थे। बातों-बातों में सत्यभामा ने पूछा, 'प्रभु, क्या त्रेता युग में सीता मुझसे भी अधिक सुंदर थीं?' श्रीकृष्ण समझ गए कि उन्हें रूप का अहंकार हो गया है। तभी गरुड़ ने अपनी गति पर गर्व किया और सुदर्शन चक्र ने अपनी शक्ति पर। भगवान मुस्कुराए और समझ गए तथा तीनों का अहंकार दूर करने की योजना बनाई। उन्होंने गरुड़ को हनुमान को द्वारका बुलाने भेजा, स्वयं राम का रूप धारण किया और सत्यभामा को सीता का रूप लेने को कहा। सुदर्शन चक्र को द्वार पर पहरा देने का आदेश दिया। गरुड़ जी, हनुमान के पास गए और उन्हें द्वारका चलने को कहा। हनुमान ने कहा, 'आप चलिए, मैं आता हूं।' गरुड़ जी ने सोचा कि पता नहीं यह बूढ़ा वानर कब द्वारका पहुंचेगा। जब गरुड़ द्वारका पहुंचे तो देखा कि हनुमान उनसे पहले ही भगवान के चरणों में विराजमान थे। गरुड़ जी लज्जित हो उठे। भगवान ने पूछा, 'तुम बिना आज्ञा के भीतर कैसे आए?' हनुमान ने सुदर्शन चक्र को अपने मुंह से निकालकर कहा, 'इन्होंने रोकने की कोशिश की, इसलिए इन्हें साथ ले आया।'

सामयिक

नये प्रावधानों का क्रियान्वयन राज्यों पर निर्भर करेगा। जिन्हें इसके बाबत पूरक नियम बनाने होंगे। राज्यों द्वारा असमान रूप से प्रावधान अपनाने से एकीकृत रूप से राष्ट्रीय व्यवस्था के निर्माण में बाधा उत्पन्न होगी। वहीं दूसरी ओर इन संहिताओं की सफलता प्रवर्तन की ईमानदारी पर निर्भर करेगी। यह प्रयास तभी प्रभावी होगा जब कार्य परिस्थितियों का पारदर्शी निरीक्षण, सकारात्मक परिणाम देने वाले शिकायत तंत्र और अनौपचारिक कार्यबल तक सही मायने में पहुंचने वाली सामाजिक सुरक्षा योजनाएं सिरे चढ़ सकेंगी।

नए श्रम कानूनों से बदलेगी तस्वीर

रोहित माहेश्वरी

सालों से इंतजार किए जा रहे चार नए श्रम कानूनों को बीती 21 नवंबर को लागू कर दिया गया है, जिसके तहत कई बड़े बदला हुए हैं इन चार संहिताओं में 'कोड ऑन वेजेज 2019', 'इंडस्ट्रियल रिलेशंस कोड 2020', 'कोड ऑन सोशल सिक्योरिटी 2020' और 'ऑक्यूपेशनल सेफ्टी, हेल्थ एंड वर्किंग कंडीशंस कोड 2020' शामिल हैं 29 श्रम कानूनों को खत्म करके चार नए कानून पेश किए गए हैं, जो सभी तरह के कर्मचारियों को कवर करते हैं इस कानून के तहत सैलरी, अनिवार्य नियुक्ति पत्र, सामाजिक सुरक्षा, ग्रेच्युटी और समान काम की समान सैलरी आदि जैसे बदलाव हुए हैं। इसमें दो राय नहीं कि नए श्रम कानून लागू करना देश के श्रम परिदृश्य में एक नये दौर में प्रवेश करने जैसा है। केंद्र सरकार ने चारों श्रम कानून मसलन वेतन, औद्योगिक संबंध, सामाजिक सुरक्षा और व्यावसायिक सुरक्षा एवं कार्य स्थितियों को अधिसूचित किया है। दावा किया जा रहा है कि इससे अनुपालन सरल बनेगा, सामाजिक सुरक्षा का विस्तार होगा और ये कदम श्रमिकों की सुरक्षा को मजबूती देगा। केंद्र सरकार की इस कदम से कर्मचारियों को समय पर वेतन, औपचारिक नियुक्ति पत्र देने, न्यूनतम वेतन की गारंटी और वार्षिक स्वास्थ्य जांच का वायदा किया गया है।

नए कानूनों के तहत कर्मचारियों को समय पर सैलरी दी जाएगी। देशभर में मिनिमम सैलरी का दायरा बढ़ेगा यानी कि बाकी क्षेत्र के कर्मचारियों को भी इसके अंतर्गत लाया जाएगा, ताकि कोई भी सैलरी इतना कम नहीं हो कि कर्मचारियों का जीवन-यापन कठिन हो। नए कानून के तहत अब ग्रेच्युटी पाने के लिए 5 साल का इंतजार नहीं करना होगा, बल्कि 1 साल की सर्विस पर ही ग्रेच्युटी दी जाएगी। यह ग्रेच्युटी फिक्स्ड-टर्म कर्मचारी और कॉन्ट्रैक्ट वर्कर्स को भी मिलेगी। इन कर्मचारियों को स्थायी कर्मचारियों के बराबर ही सभी फायदे जैसे छुट्टी, चिकित्सा और सामाजिक सुरक्षा भी दी जाएंगी। नए कानून के तहत एक और बड़ा बदलाव यह है कि सभी संगठित क्षेत्र के कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र देने का किया गया है। इसके अलावा गिग वर्कर्स, प्लेटफॉर्म वर्कर्स ओर एग्रीगेटर्स को इन कानूनों के तहत पहली बार डिफाइन किया गया है। इन्हें भी आधार-लिंक्ड यूनिवर्सल अकाउंट नंबर से वेलफेयर बेनिफिट्स दिया जाएगा, जिसमें पीएफ से लेकर पेंशन तक का लाभ शामिल होगा। 40 साल से ज्यादा उम्र के कर्मचारियों को सालाना फ्री हेल्थ चेकअप दिया जाएगा। केंद्र सरकार मजदूरों की बेहतर सुरक्षा के लिए राष्ट्रीय मानदंड बनाएगी।

नए कानूनों के तहत महिलाएं सभी जगहों पर काम कर सकती हैं, जिसमें अंडरग्राउंड माइनिंग, भारी मशीनरी और खतरनाक काम शामिल हैं, जिससे सभी के लिए रोजगार के समान अवसर सुनिश्चित होंगे। हर साइट पर ऑन-साइट सेफ्टी मॉनिटरिंग के लिए जरूरी सेफ्टी कमेटी और खतरनाक रसायनों की सुरक्षित हैंडलिंग पक्का करना है। वहीं फिक्स्ड-टर्म एम्प्लॉई (एफटीई) से रोजगार मिलने की संभावना बढ़ेगी और सामाजिक सुरक्षा, स्थायी कर्मचारी के बराबर फायदे जैसे कानूनी सुरक्षा पक्की होगी। कॉन्ट्रैक्ट पर काम करने वाले कर्मचारियों को समाजिक और स्वास्थ्य सुरक्षा मिलेगी। महिला-पुरुष भेदभाव कानूनी तौर पर नकार दिया गया है। महिला हो या पुरुष समान काम के लिए समान वेतन मिलेगा। महिलाओं को नाइट शिफ्ट में भी काम करने का अधिकार होगा। सभी कामगारों के लिए मिनिमम सैलरी की गारंटी होगी। सभी तरह के कर्मचारियों को ऑफर लेटर देना होगा, जिससे सामाजिक सुरक्षा, रोजगार विवरण और औपचारिक रोजगार को बढ़ावा मिलेगा। छुट्टी के दौरान मजदूरी देना अनिवार्य किया गया है। मजदूरों को केंद्र सरकार की ओर से तय की गई फ्लोर वेज के हिसाब से वेतन दिया जाएगा।

सभी प्रवासी कामगारों (डायरेक्ट, कॉन्ट्रैक्टर-बेस्ड और खुद माइग्रेटेड) को बराबर वेतन, वेलफेयर बेनिफिट और पीडीएस पोर्टेबिलिटी का लाभ दिया जाएगा। कामगार 3 साल तक लंबित बकाय के निपटारे के लिए दावा कर सकते हैं सभी डॉक वर्कर्स के लिए प्रोविडेंट फंड, पेंशन और बीमा के लाभ तय कर दिया गया है, चाहे कॉन्ट्रैक्ट वर्कर हैं या अस्थायी कर्मचारी। जानकारों के मुताबिक नए लेबर कोड्स 'कोड ऑन वेजेज' और 'सोशल सिक्योरिटी' के तहत 'वेजेज' (सैलरी) की परिभाषा को एक जैसा बनाते हैं इससे ग्रेच्युटी और प्रोविडेंट फंड बेहतर होगा, लेकिन अगर कंपनियां खर्च कम करने के लिए अलाउंस घटाती हैं, तो हाथ में आने वाली सैलरी कम हो सकती है। श्रम क्षेत्र के जानकारों के अनुसार, अब 'वेजेज' में बेसिक पे, डियरनेस अलाउंस यानी डीए और रिटेनिंग अलाउंस यानी आरए शामिल होंगे। कुल कमाई का 50 प्रतिशत (या सरकार द्वारा तय की गई कोई और प्रतिशत राशि) 'वेजेज' में जोड़ा जाएगा। इससे ग्रेच्युटी, पेंशन और सामाजिक सुरक्षा लाभों की गणना में एकरूपता आएगी।

पहले कंपनियां बेसिक सैलरी कम रखकर बाकी पैसा अलग-अलग भत्तों के रूप में दे देती थीं इससे पीएफ और ग्रेच्युटी में उनका योगदान कम होता था। लेकिन अब सरकार ने नियम बना दिया है कि आपकी कुल सैलरी यानी सीटीसी का कम से कम आधा हिस्सा बेसिक सैलरी होना चाहिए इससे आपकी रिटायरमेंट सेविंग्स तो बढ़ेंगी, लेकिन हर महीने हाथ में आने वाले पैसे थोड़े कम हो सकते हैं यह एक तरह से आपकी भविष्य की सुरक्षा के लिए अच्छा कदम है, भले ही अभी थोड़ा जेब पर भारी पड़े। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि श्रम सुधारों के कई प्रावधान, लंबे समय से अपेक्षित प्रगति का संकेत देते हैं सभी क्षेत्रों में न्यूनतम वेतन का सार्वभौमिक वैधानिक अधिकार, अनिवार्य लिखित नौकरी अनुबंध, निश्चित अवधि के कर्मचारियों के लिये बेहतर ग्रेच्युटी तक पहुंच और स्वास्थ्य व सुरक्षा पर स्पष्ट मानदंड, औपचारिक प्रावधानों और पारदर्शिता की दिशा में बदलाव को रेखांकित करते हैं निश्चित रूप से सामाजिक-सुरक्षा ढांचे के भीतर गिग और प्लेटफॉर्म श्रमिकों को मान्यता देना शायद सबसे बड़ा संरचनात्मक परिवर्तन माना जा सकता है। सही मायनों में यह बदलाव लंबे से समय से वैधानिक दायरे से बाहर रह रहे एक बड़े वर्ग को मान्यता प्रदान करता है। निश्चय ही, ये देश के लाखों कामगारों को सुरक्षा कवच प्रदान करेगा।

वहीं दूसरी ओर ये कानून महिला श्रमिकों के लिए भी रोजगार की समान परिस्थितियां अनिवार्य बनाती हैं इस प्रयास से महिलाओं की कार्यबल में भागीदारी का दायरा बढ़ेगा। हालांकि, इन प्रयासों से जुड़ी कुछ जरूरी चेतावनियां भी सामने आ रही हैं उदाहरण के लिये औद्योगिक संबंध संहिता, छंटनी और संस्थान को बंद करने के लिये सरकारी मंजूरी की सीमा को सौ कामगारों से बढ़ाकर तीन सौ कर देती है। इन नई श्रम संहिताओं के लागू होने पर उद्योग जगत जहां इस बदलाव को लचीला बताकर स्वागत कर रहा है, वहीं श्रम संगठनों को चिंता है कि इससे रोजगार की सुरक्षा कम होगी। ऐसी ही कई आशंकाओं को लेकर देश की कई केंद्रीय ट्रेड यूनियनों ने विरोध प्रदर्शन की घोषणा की है। उनका तर्क है कि नई व्यवस्था कामगारों के सामूहिक दबाव से बातचीत की गुंजाइश को कमजोर करती है। साथ ही सत्ता का झुकाव नियोक्ताओं की ओर नजर आता है।

वहीं दूसरी ओर नये प्रावधानों का क्रियान्वयन राज्यों पर निर्भर करेगा। जिन्हें इसके बाबत पूरक नियम बनाने होंगे। राज्यों द्वारा असमान रूप से प्रावधान अपनाने से एकीकृत रूप से राष्ट्रीय व्यवस्था के निर्माण में बाधा उत्पन्न होगी। वहीं दूसरी ओर इन संहिताओं की सफलता प्रवर्तन की ईमानदारी पर निर्भर करेगी। यह प्रयास तभी प्रभावी होगा जब कार्य परिस्थितियों का पारदर्शी निरीक्षण, सकारात्मक परिणाम देने वाले शिकायत तंत्र और अनौपचारिक कार्यबल तक सही मायने में पहुंचने वाली सामाजिक सुरक्षा योजनाएं सिरे चढ़ सकेंगी। निस्संदेह, देश ने अपनी श्रम नियमावली को फिर से लिखा है। लेकिन जमीनी स्तर पर ठोस बदलाव आने में अभी कुछ वक्त लगेगा। अगर नए कानून जमीन पर उतरने में सफल रहे तो श्रमिकों के जीवन में बड़ा बदलाव आएगा।

नजरिया

स्क्रीन टाइम का फैलता जाल, बच्चे गहरे संकट में

अमरपाल सिंह वर्मा

राजस्थान के धौलपुर जिले के कुरेंद्रा गांव में 13 साल के विष्णु ने पिता की मामूली डांट के बाद आत्महत्या कर ली। वजह सिर्फ इतनी थी कि वह मोबाइल गेम खेल रहा था और पिता ने टोक दिया। गुस्से में वह अपने कमरे में चला गया और इहलीला समाप्त कर ली। इस घटना ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि भारत के घरों में मोबाइल केवल एक उपकरण नहीं रहा है बल्कि यह रिश्तों के बीच खड़ी एक खाई बनता जा रहा है। धौलपुर की यह घटना अपनी तरह की अकेला मामला नहीं है। हाल ही में मध्यप्रदेश के झांसी में एक महिला ने अपने आठवीं में पढने वाले बेटे की मोबाइल गेम की लत से परेशान होकर आत्महत्या कर ली। मोबाइल में उलझा बच्चा पढ़ाई नहीं करता था, जिससे उसकी मां डिप्रेशन में थी। उसने पति को भी कहा मगर उन्होंने अनसुना कर दिया। नतीजा, महिला की खुदकुशी के रूप में सामने आया। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में नौवीं कक्षा की एक लडक़ी ने मोबाइल चलाने से रोके जाने पर नदी में कूदकर जान दे दी। थाणे में मोबाइल छीनने पर 16 वर्षीय लडक़े ने सुसाइड कर ली। यूपी के आजमगढ़ के एक गांव में 14 साल का किशोर मात्र इस वजह से फंदे पर झूल गया कि उसे गेम खेलने के लिए फोन नहीं मिला। पिछले साल जयपुर में एक महिला ने बेटी का मोबाइल छिपा दिया। इस बात पर मां-बेटी का झगड़ा हो गया। इसी दौरान मां ने रॉड उठा कर दे मारी, जिससे बेटी की जान चली गई। मोबाइल फोन की वजह से ऐसे मामले अब हर महीने, हर जिले और हर शहर से सामने आ रहे हैं स्मार्टफोन अब एक उपकरण मात्र नहीं रहा बल्कि वह बच्चों के दिमाग का मालिक बन गया है और और बच्चों के दिमाग को बदल रहा है। इसकी वजह से बच्चों में शारीरिक समस्याएं भी बढ़ रही हैं।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान रायपुर के एक अध्ययन के मुताबिक भारत में पांच साल से कम उम्र के बच्चे औसतन 2.22 घंटे रोज स्क्रीन पर बिताते हैं। ये समय विश्व स्वास्थ्य संगठन और इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स के सुझाए गए समय से दोगुना है। यह भी चिंताजनक है कि दो साल से कम उम्र के बच्चे भी स्क्रीन पर रोज 1.23 घंटे बिता रहे हैं जबकि इस उम्र के बच्चों के लिए डॉक्टर

दरअसल, मानसिक रूप से अपरिपक्व होने के कारण बच्चे इतनी छोटी उम्र में खुद को संभाल नहीं पाते। वह सोचते हैं कि फोन ही उनकी आजादी है। इसलिए जैसे ही ये छिनता है, वे नियंत्रण खो देते हैं इस मामले में माता-पिता गलती कर रहे हैं पहले तो माता-पिता ही बच्चे को पूरा फोन पकड़ा देते हैं ताकि वह चुप रहे। बाद में जब बच्चे इसी में उलझे रहते हैं तो वह अचानक सख्ती अपनाते हैं, पर तब तक स्थिति हाथ से निकल चुकी होती है। बच्चों के फोन इस्तेमाल को नियंत्रित करने के लिए जल्दीबाजी से नहीं, योजनाबद्ध तरीके से काम करने की जरूरत है।

पूरी तरह नो स्क्रीन के पक्ष में हैं विशेषज्ञों का कहना है कि पांच साल से कम उम्र के बच्चों में रोज 1-1.5 घंटे से ज्यादा स्क्रीन टाइम उनके दिमाग के विकास को धीमा कर देता है। इससे भाषा सीखने की गति कम होती है, ध्यान और समझने की क्षमता घटती है, सामाजिक कौशल कमजोर पड़ते हैं और मोटापा और नींद आने की दिक्कतें बढ़ती हैं। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के सहयोग से दिल्ली के दो प्राइवेट स्कूलों के छात्रों पर दो वर्ष तक किए गए अध्ययन की ताजा रिपोर्ट के अनुसार बच्चे और किशोर झुककर घंटों मोबाइल या टैबलेट चला रहे हैं। क्लास रूम में भी छह से सात घंटे बैठने और शारीरिक व्यायाम न के बराबर होने से पॉस्चर और मांसपेशियों और हड्डियों की समस्याएं आ रही हैं।

मोबाइल जनित समस्याएं किस कदर बढ़ रही है, इसे लखनऊ में उत्तरप्रदेश महिला आयोग की जन सुनवाई के उदाहरण से समझा जा सकता है। इस सुनवाई में अब किशोर वय बेटियों की मोबाइल लत से परेशान माएं मदद के लिए पहुंच रही हैं आयोग की हर सुनवाई में 3-4 मामले ऐसे आते हैं जिनमें महिलाओं का कहना है कि उनकी किशोरवय बेटियां फोन का अत्यधिक इस्तेमाल करती हैं और रोकने पर उनसे झगड़ा, बदसलूकी या हिंसक व्यवहार करती हैं। विशेषज्ञों के अनुसार स्मार्टफोन के कारण केवल पढ़ाई नहीं बिगड़ रही है। व्यवहार में आक्रामकता, एकांकीपन, देर रात जागना, ऑनलाइन चैटिंग और वर्चुअल दुनिया में जीना अब सामान्य' बनता जा रहा है। इससे मनोवैज्ञानिक चिंतित हैं मनो वैज्ञानिकों के अनुसार मोबाइल दिमाग में वही रिएक्शन पैदा करता है जो नशे में होता है। बार-बार डोपामाइन रिलीज होने से बच्चा वास्तविक दुनिया से कटने लगता है। इस लत का पहला लक्षण मां-बाप से चिड़चिड़ापन होता है। दूसरा लक्षण फोन छीने जाने पर हिंसक प्रतिक्रिया या खुद को नुकसान पहुंचाने की धमकी है। तीसरे लक्षण में पढ़ाई, दोस्ती, परिवार, नींद सब में कमी होने लगती है।

दरअसल, मानसिक रूप से अपरिपक्व होने के कारण बच्चे इतनी छोटी उम्र में खुद को संभाल नहीं पाते। वह सोचते हैं कि फोन ही उनकी आजादी है। इसलिए जैसे ही ये छिनता है, वे नियंत्रण खो देते हैं इस मामले में माता-पिता गलती कर रहे हैं पहले तो माता-पिता ही बच्चे को पूरा फोन पकड़ा देते हैं ताकि वह चुप रहे। बाद में जब बच्चे इसी में उलझे रहते हैं तो वह अचानक सख्ती अपनाते हैं, पर तब तक स्थिति हाथ से निकल चुकी होती है। बच्चों के फोन इस्तेमाल को नियंत्रित करने के लिए जल्दीबाजी से नहीं, योजनाबद्ध तरीके से काम करने की जरूरत है। सबसे जरूरी है कि परिवार मिलकर स्पष्ट नियम तय करे कि कितने घंटे स्क्रीन टाइम हो, कौन-कौन से ऐप चलें, और रात में फोन कहां रखा जाए ये नियम बच्चों के साथ बातचीत करके बनाए जाएं न कि उन पर थोपे न जाएं फोन न चलाने के लिए पाबंद कर देने मात्र से समस्या का समाधान नहीं हो सकता। इसके बजाय बच्चों को खेल, आर्ट, दोस्तों के साथ समय बिताने और घर के छोटे-मोटे काम जैसे विकल्प दिए जा सकते हैं माता-पिता को खुद को बदलना होगा क्योंकि अगर वह लगातार मोबाइल में व्यस्त रहेंगे तो बच्चा स्वाभाविक रूप से उसी रास्ते पर जाएगा। इसके साथ-साथ बच्चों की भावनाओं को समझना भी जरूरी है। मनो वैज्ञानिकों के अनुसार कई बार बच्चे सामाजिक दबाव, अकेलेपन से बचने के लिए स्क्रीन की दुनिया में शरण लेते हैं फोन को एकदम से छीन लेने की जगह उपयोग को धीरे-धीरे कम करना बेहतर होगा ताकि बच्चा मानसिक झटका महसूस न करे। यह केवल मोबाइल की लत का मामला नहीं है बल्कि एक सामाजिक संकट है जो नई पीढ़ी के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहा है। यह पीढ़ी देश का भविष्य बनने के बजाय मोबाइल फोन के स्क्रीन के भविष्य में उलझती जा रही है। धौलपुर के बच्चे विष्णु, जान देने वाली झांसी की महिला, बिलासपुर की उस लडक़ी और थाणे व आजमगढ़ के किशोर भौगोलिक रूप से भले ही अलग-अलग हैं मगर इनसे समाज को साझा चेतावनी मिल रही है। अगर इस चेतावनी को अनसुना किया जाता रहा तो आने वाले समय में यह समस्या और भी भयावह हो जाएगी। ऐसे में आज से ही घरों में एक नया अनुशासन शुरू करने की आवश्यकता है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

श्रीलंका में बाढ़ राहत कार्य में सहयोग करेगा भारतीय विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत

कोलंबो/भाषा। श्रीलंका में आई विनाशकारी बाढ़ के बाद बचाव और राहत अभियानों में भारत के विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत को तैनात किया जाएगा। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। श्रीलंकाई नौसेना ने बताया कि यह स्वदेशी विमानवाहक पोत 'अंतरराष्ट्रीय फ्लीट रिव्यू' 2025 की तैयारियों के तहत 25-26 नवंबर को कोलंबो में तैनात किया गया था।

रक्षा मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि श्रीलंका के पूर्वी त्रिंकोमाली क्षेत्र में आए चक्रवाती तूफान 'डिटवा' के कारण गंभीर मौसम के बीच जारी राहत कार्यों के लिए आईएनएस विक्रांत के विमानों के उपयोग हेतु औपचारिक अनुरोध किया गया था। श्रीलंका में बाढ़ और भूस्खलन से मरने वालों की संख्या 56 हो गई है, जबकि 21 लोग अब भी लापता हैं। आपदा प्रबंधन केंद्र (डीएमसी) ने बताया कि पिछले 72 घंटों में 46 मौत के मामले दर्ज किए गए हैं। आपात स्थिति को देखते हुए, सरकार ने शुक्रवार को आवश्यक सेवाओं को छोड़कर सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है। आपदा प्रबंधन अधिकारियों ने बताया कि अत्यधिक खराब मौसम से 12,313 परिवारों के 43,991 लोग प्रभावित हुए हैं। सिंचाई विभाग ने कोलंबो के निचले उत्तरी हिस्सों में केलानी नदी के पास रहने वाले निवासियों को सुरक्षित स्थानों पर जाने की चेतावनी देते हुए कहा कि इस क्षेत्र को द्वीप राष्ट्र के इतिहास में सबसे खराब बाढ़ का सामना करना पड़ सकता है।

सिंचाई विभाग के महानिदेशक अजीत गुणासेकरा ने कहा, इस स्थिति के बदलने की कोई संभावना नहीं है। हमें आशंका है कि केलानी नदी का जल स्तर 2016 की बाढ़ के रिकॉर्ड को भी पार कर जाएगा।

संसद में बुलंद आवाज के साथ 'वंदे मातरम' का नारा लगाएंगे : उद्धव ठाकरे

मुंबई/भाषा

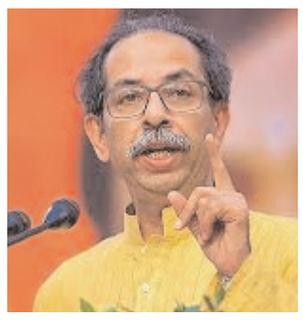

शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने शुक्रवार को कहा कि उनकी पार्टी के सांसद, संसद में ऊंची आवाज में 'वंदे मातरम' का नारा लगायेंगे और इसके साथ उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को चुनौती दी कि वह नारा लगाने वाले सांसदों को सदन से बाहर निकाल कर दिखायें।

राज्यसभा सचिवालय ने सदस्यों को सदन के अंदर या बाहर 'वंदे मातरम' और 'जय हिंद' जैसे नारे लगाने से 24 नवंबर को मना किया और कहा कि यह संसदीय शिष्टाचार का उल्लंघन है।

यहां एक संवाददाता सम्मेलन में ठाकरे ने कहा कि जब अविभाजित शिवसेना भाजपा के साथ थी, तब उसने कहा था कि जो लोग इस देश में रहना चाहते हैं, उन्हें 'वंदे मातरम' कहना होगा।

ठाकरे ने कहा कि क्या राज्यसभा सचिवालय से नवीनतम निर्देश जारी करने वाले व्यक्ति को पाकिस्तान भेज दिया जाएगा? उन्होंने आगे पूछा कि क्या 'मैकाले की संतान' भाजपा में घुसपैठ कर चुकी है। उन्होंने कहा, ''हमारे सांसद बुलंद आजाव से 'वंदे मातरम' कहेंगे। देखते हैं हमें संसद से कौन बाहर निकालता है। शिवसेना (उबाठा) के सभी सांसद 'वंदे मातरम' कहेंगे। अगर भाजपा में हिम्मत है, तो वह हमारे सांसदों को बाहर निकाले।''

संसद का सत्र एक दिसंबर को शुरू होने जा रहा है और इससे पहले जारी की गई 'राज्यसभा सदस्यों के लिए हैंडबुक' में नारे न लगाने के निर्देश का उल्लेख किया गया है।

राज्यसभा सचिवालय के सूत्रों के अनुसार, यह पहली बार नहीं है जब ऐसा निर्देश जारी किया गया है। नवंबर 2005 में संप्रग सरकार के दौरान भी ऐसा ही एक आदेश जारी किया गया था।

समारोह

पारंपरिक कपड़े पहने महिलाएं 71वें -एबीवीपी नेशनल कॉन्फ्रेंस के उद्घाटन समारोह में तस्वीर के लिए पोज़ देती हुई महिलाएं।

श्रीलंका में चक्रवात : मोदी ने 'ऑपरेशन सागर बंधु' के तहत सहायता की घोषणा की

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने शुक्रवार को चक्रवात प्रभावित श्रीलंका को आवश्यक राहत सामग्री पहुंचाई तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने द्वीपीय देश को बताया कि स्थिति से निपटने के लिए नई दिल्ली उसे और अधिक सहायता प्रदान करने के लिए तैयार है।नई दिल्ली ने संकट की इस घड़ी में श्रीलंका की सहायता के लिए 'सागर बंधु' अभियान शुरू किया है और राहत सामग्री की पहली खेप भारतीय नौसेना के विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत और अग्रिम पंक्ति के जहाज आईएनएस उदयगिरि द्वारा पहुंचाई गई। श्रीलंका में बाढ़ और भूस्खलन के कारण कम से कम 56 लोगों की मौत हुई है। श्रीलंकाई अधिकारियों के अनुसार, 12,313 परिवारों के 43,900 से अधिक लोग खबार मौसम की स्थिति से प्रभावित हुए हैं।प्रधानमंत्री ने कहा, श्रीलंका के उन लोगों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना है जिन्होंने चक्रवात 'डिटवा' के कारण अपने प्रियजनों को खो दिया है। मैं सभी प्रभावित परिवारों की सुरक्षा, सांत्वना और शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। अपने निकटतम समुद्री पड़ोसी के साथ एकजुटता प्रदर्शित करते हुए भारत ने 'ऑपरेशन सागर बंधु' के तहत तत्काल राहत सामग्री तथा मानवीय सहायता व आपदा राहत (एचएडीआर) भेजी है।

'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' का टाइटल ट्रैक रिलीज

जयपुर/एजेन्सी

अभिनेता कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' लंबे समय से चर्चा में बनी हुई है। धर्मा प्रोडक्शन और नमः पिक्चर्स के बैनर तले बनी इस फिल्म के लिए आज जयपुर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान इसका टाइटल ट्रैक लांच किया गया, जहाँ बॉलीवुड की इस चर्चित युवा जोड़ी ने अपनी दिलकश मौजूदगी से माहौल को यादगार बना दिया। यहां मीडिया के साथ दोनों सितारों ने फिल्म की कहानी, किरदारों व शूटिंग अनुभव को खुलकर साझा किया। बता दें कि समीर विद्वंस की डायरेक्शन में बनी ये रोमांटिक कॉमेडी फिल्म 25 दिसंबर को सिनेमाघरों में आ जाएगी। इस गाने में कार्तिक के दमदार डांस स्टेप्स और अनन्या के साथ उनकी स्क्रीन पर बनती खूबसूरत कैमिस्ट्री दर्शकों की नजरें अपनी ओर खींच लेती है। इसकी धुन और आवाज विशाल-शेखर ने तैयार की है, जबकि अंविता दत्त ने अपने दिलकश शब्दों से गीत को और खास बनाया है। फिल्म के मुख्य अभिनेता कार्तिक आर्यन ने कहा, यह फ़िल्म मेरे दिल के बेहद करीब है। इसमें मेरा किरदार भावनाओं और रोमांस के कई रंगों से भरा है। इस बार दर्शक मुझे बिल्कुल नए अंदाज़ में देखेंगे। फिल्म की प्रमुख अभिनेत्री अनन्या पांडे ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा, इस फ़िल्म की कहानी दिल छू लेने वाली है। हमें उम्मीद है कि दर्शक न सिर्फ़ किरदारों से जुड़ेंगे, बल्कि अपनी ज़िंदगी की झलक भी इसमें देख पाएंगे। यह फ़िल्म कार्तिक और अनन्या की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री कहानी में ताज़गी लाती है और समीर विद्वंस का निर्देशन इसे इमोशन, हँसी और दिल को मीठा-सा गुदगुदाने वाले पलों का मज़ेदार कॉम्बो बनाती है। रंगबिरंगे लोकेशन्स, कानों में बस जाने वाला संगीत और दिल से निकले संवाद कहानी में वो फील-गुड तड़का डालते हैं। दर्शकों को क्रिसमस पर प्यार और मनोरंजन का एक प्यारा तोहफ़ा मिलने वाला है।

दिसंबर में ओटीटी पर एंटरटेनमेंट का धमाका, हॉरर से लेकर थ्रिलर फिल्मों और सीरीज का तड़का

मुंबई/एजेन्सी

दिसंबर का महीना एंटरटेनमेंट से भरा रहेगा। ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर इस बार ढेर सारी नई फिल्में और वेब सीरीज रिलीज होने जा रही हैं, जो हर तरह के दर्शक वर्ग के लिए हैं। चाहे आपको रोमांच पसंद हो, डरावनी कहानियां, रोमांस या फिर फैमिली कॉमेडी, हर मूड के लिए दिसंबर में कुछ न कुछ जरूर है, जिसका आप आराम से आनंद ले सकते हैं। खास बात यह है कि इन प्रोजेक्ट्स में कई नामी कलाकार और डायरेक्टर्स शामिल हैं, जो पहले भी अपनी फिल्मों और सीरीज से दर्शकों को प्रभावित कर चुके हैं। 'थामा' : हॉरर-फैंटसी फिल्म 'थामा' में आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिकाओं में हैं, जबकि नवाजुद्दीन सिद्दीकी और परेश रावल ने अहम किरदार निभाए हैं। 'थामा' की कहानी में बेतालों की रहस्यमयी प्रजाति दिखाई गई है, जिनका राजा यक्षशासन (नवाजुद्दीन सिद्दीकी) नियम तोड़ने की कोशिश करता है। आलोक गोयल (आयुष्मान खुराना) और ताड़का (रश्मिका मंदाना) के बीच विकसित होता रोमांस और बेतालों की दुनिया में उलझे संघर्ष ने कहानी को रोमांचक मोड़ दिया है। फिल्म का दूसरा भाग शानदार वीएफएक्स से भरपूर है, जो हॉलीवुड फिल्मों की याद दिलाता है। यह फिल्म 16 दिसंबर को प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी।

'एक दीवाने की दीवानियत' : रोमांस की चाह रखने वालों के लिए 'एक दीवाने की दीवानियत' 16 दिसंबर से नेटफ्लिक्स पर उपलब्ध होगी। फिल्म में हर्षवर्धन राणे और सोनम बाजवा की जोड़ी है। कहानी विक्रमादित्य भोसले (हर्षवर्धन राणे) और बॉलीवुड स्टार अदा (सोनम बाजवा) के इर्द-गिर्द घूमती है। विक्रम की जिद और अदा का प्रतिरोध कहानी में कई ट्विस्ट एंड टर्न लेकर आते हैं। फिल्म में 90 के दशक का म्यूजिक और रोमांस सीन्स दर्शकों को अपनी ओर खींचते हैं। 'सिंगल पापा' : 12 दिसंबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली फैमिली कॉमेडी वेब सीरीज 'सिंगल पापा' भी दर्शकों को हंसी का अनुभव देगी। कुणाल खेमू का किरदार तलाक के बाद बच्चे को गोद लेता है। उनके साथ सीरीज में प्राजक्ता कोली, आयशा रजा और मनोज पाहवा अहम किरदार में हैं। यह सीरीज नए जमाने के पिता बनने के बाद की उलझन भरी जिंदगी, बच्चों के साथ हंसी-खुशी और जिम्मेदारियों को दर्शाती है।

'मिसेज देशपांडे' : साइकोलॉजिकल थ्रिलर पसंद करने वालों के लिए माधुरी दीक्षित की 'मिसेज देशपांडे' जियो प्लस हॉटस्टार पर 19 दिसंबर से उपलब्ध होगी। इस सीरीज में माधुरी एक साइको किलर की भूमिका में हैं। उनका किरदार पुलिस की मदद करता है ताकि दूसरे साइको किलर्स को पकड़ सके। नागेश कुकुनूर के निर्देशन में बनी यह सीरीज थ्रिल और सस्पेंस का सही मिश्रण पेश करती है। 'रात अकेली है - बंसल मर्डर्स' : क्राइम और मिस्ट्री जैसी शैली पसंद करने वाले दर्शकों के लिए 'रात अकेली है: बंसल मर्डर्स' 19 दिसंबर से नेटफ्लिक्स पर उपलब्ध होगी। इसमें नवाजुद्दीन सिद्दीकी इंस्पेक्टर जटिल यादव की भूमिका में हैं। चित्रांगदा सिंह, रजत कपूर, रेवती, दीप्ती नवल और संजय कपूर भी इस सीरीज में नजर आएंगे। कहानी बंसल परिवार की हत्या के इर्द-गिर्द घूमती है और दर्शक यह देखने के लिए उत्साहित हैं कि जटिल यादव इस केस को कैसे सुलझाते हैं।

'सिंगल सलमा' : हुमा कुरैशी स्टारर 'सिंगल सलमा' 26 दिसंबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। यह फिल्म समाज में 30 साल से ज्यादा उम्र की महिलाओं के लिए शादी और करियर को लेकर बने रूढ़िवाद पर सवाल उठाती है। लखनऊ की सलमा रिजवी (हुमा कुरैशी) परिवार की जिम्मेदारियों के बीच जिंदगी और प्यार की खोज में लगी हैं। फिल्म में लव ट्रायंगल, सेल्फ-लव, और सामाजिक भेदभाव जैसे मुद्दे देखे जा सकते हैं।

बनारस पहुंच धनुष को आई 'रांझणा' की याद, शेयर किया कुंदन से शंकर बनने का सफर

नई दिल्ली/एजेन्सी

कृति सेनन और साउथ सुपरस्टार धनुष स्टारर एक्शन-रोमांस ड्रामा फिल्म 'तेरे इश्क में' 28 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। रिलीज से पहले फिल्म की पूरी स्टारकास्ट बनारस पहुंची, जहां बनारस की तंग गलियां, गंगा घाट और वहां के लोगों को देखकर धनुष को रांझणा के कुंदन की याद आ गई। एक्टर ने कुंदन से शंकर बनने का सफर सोशल मीडिया पर शेयर किया है। अभिनेता धनुष ने सोशल मीडिया पर अपनी पुरानी यादों को ताजा करते हुए कुछ फोटोज पोस्ट की हैं, जिसमें वे कभी गंगा के घाट पर शांति से बैठे दिख रहे हैं, तो कभी उस पुराने घर के दरवाजे पर बैठे दिख रहे हैं, जहां से उनके कुंदन बनने की शुरुआत हुई थी। प्यारी फोटो को पोस्ट कर रांझाणा के कुंदन ने लिखा, यादों की गलियों में सैर, कुंदन का सफर यहां से ही शुरू हुआ। एक ऐसा किरदार जो एक दशक से भी ज़्यादा समय बाद मेरे अंदर जिंदा है। बनारस की तंग गलियों में आज भी कुंदन का नाम गूंजता है; जब लोग मुझे इस नाम से पुकारते हैं तो मैं आज भी मुस्कुरा देता हूं।

उन्होंने आगे लिखा, अब उन्हीं गलियों से गुज़रना, उसी घर के सामने बैठना, उसी चाय की दुकान से चाय की चुस्की लेना और पवित्र गंगा के किनारे चलना मुझे कुंदन की याद दिला रहा है। ये एक किरदार को संपूर्ण करता है, लेकिन अब कुंदन नहीं, शंकर का समय आ गया है। बता दें कि फिल्म 'रांझणा' साल 2013 में आई थी। फिल्म में धनुष ने बनारस के एक तरफा प्यार में डूबे आशिक कुंदन का रोल प्ले किया था, जो जोया का प्यार पाने के लिए उसके घर के सारे काम करता है, लेकिन जोया कुंदन को सिर्फ अच्छा दोस्त मानती है, प्रेमी नहीं। एकतरफा प्यार के जुनून में कुंदन सारी हदे पार कर देता है और आखिरी अंजाम में मौत मिलती है। फिल्म ने पर्दे पर भी कमाल किया और घरेलू स्तर पर लगभग 60 करोड़ की कमाई की, जबकि विश्व भर में फिल्म ने लगभग 87 करोड़ का कलेक्शन किया था। अब 'रांझणा' के कुंदन जैसी उम्मीद भी 'तेरे इश्क में' शंकर से की जा रही है। मीडिया रिपोर्ट की मानें तो एडवांस बुकिंग के मामले में फिल्म पहले ही 2 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर चुकी है, लेकिन ये भी माना जा रहा है कि रणवीर सिंह की फिल्म 'धुरंधर' एक हफ्ते बाद फिल्म की रफ्तार को कम कर सकती है। दोनों की फिल्में एक दूसरे के कलेक्शन पर असर डालेंगी। बता दें कि बीते बुधवार को फिल्म तेरे इश्क में का ट्रेलर लॉन्च बनारस में रखा गया था, जहां पूरी टीम पहुंची थी। कृति और धनुष ने गंगा में बोटिंग की फोटोज भी पोस्ट की थीं और फिल्म का प्रमोशन भी किया।

साईं बाबा की पवित्र कफनी और पादुका लेकर आईं शिल्पा शेट्टी

नई दिल्ली/एजेन्सी

90 के दशक की बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी साईं बाबा में गहरी आस्था रखती हैं। उन्हें कई बार अपने परिवार के साथ शिरडी साईं मंदिर में दर्शन करते हुए देखा गया है। अब एक्ट्रेस ने पूरी श्रद्धा के साथ अपने घर पर साईं बाबा का स्वागत किया है और खुद को कृतज्ञता और प्रेम से भरा महसूस कर रही हैं। शिल्पा शेट्टी ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें वह अपने पूरे परिवार के साथ साईं बाबा की पूजा करती नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस ने अपने घर पर साईं बाबा का कीर्तन रखा और उनकी पवित्र कफनी और पादुका अपने घर लेकर आई हैं। वीडियो में शिल्पा अपने पति और बच्चों के साथ साईं बाबा की आरती उतारती दिख रही हैं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, साईं, मैं आपकी पवित्र कफनी और पादुका को घर लाते हुए कृतज्ञता और प्रेम से भर गई हूं।

आपकी दिव्य उपस्थिति मेरे घर और हृदय को भर दे, और मुझे श्रद्धा और सबुरी से मार्गदर्शन प्रदान करें, ॐ साईं राम। शिल्पा शेट्टी इंस्टाग्राम पर भी साईं बाबा के वॉलपेपर शेयर करती रहती हैं। कभी वे भगवान शिव और भगवान विष्णु से जुड़े वॉलपेपर भी पोस्ट करती हैं। बता दें कि साईं भक्तों के लिए बाबा की पवित्र कफनी और पादुका की पूजा करना बहुत शुभ माना जाता है। भक्तों के बीच मान्यता है कि पवित्र कफनी और पादुका की पूजा करने से साईं बाबा की विशेष कृपा उनके परिवार पर होती है। कफनी एक तरह का लंबा वस्त्र होता है, जिसे साईं बाबा पहनते थे। पवित्र वस्त्र को सादगी और धैर्य का प्रतीक माना जाता है।

शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा पहले से कानूनी पचड़े में फंसे हैं। दोनों पर एक व्यापारी के साथ 60 करोड़ रुपए से अधिक की धोखाधड़ी करने का आरोप लगा है। मामले में आर्थिक अपराध शाखा ने शिल्पा और राज की कंपनी के चार कर्मचारियों से पूछताछ भी की है। शाखा को शक है कि मामला 60 करोड़ रुपए से अधिक की धोखाधड़ी का है और क्या वाकई कंपनी की फर्निशिंग में 20 करोड़ रुपए का खर्च आया है, जितना निवेशकों को बिल में दिखाया गया है। इससे पहले मामले में शिल्पा शेट्टी ने कोर्ट से विदेश जाने की इजाजत भी मांगी थी, लेकिन कोर्ट ने ये कहते हुए इनकार कर दिया कि पहले 60 करोड़ रुपए वापस दीजिए और उसके बाद जहां जाना है वहां जाइए।

'दिल्ली क्राइम 3' की सफलता का लुत्फ उठा रही शेफाली शाह

मुंबई/एजेन्सी

एक्ट्रेस शेफाली शाह हाल ही में रिलीज हुई वेब सीरीज 'दिल्ली क्राइम सीजन 3' की सफलता का आनंद उठा रही हैं। दर्शक उनकी दमदार अदाकारी की सराहना कर रहे हैं। इस कड़ी में शेफाली ने दर्शकों का आभार जताया। शेफाली शाह ने कहा, ''मैं खुशकिस्मत हूं कि मुझे अपने करियर में ऐसे रोल मिले, जिन्होंने न सिर्फ मुझे चुनौती दी, बल्कि दिल की गहराइयों को भी छुआ। 'दिल्ली क्राइम' का गंभीर किरदार, 'डार्लिंग्स' में निभाया गया जटिल रोल और करियर की शुरुआती फिल्म 'सत्या' के अनुभव... इन सभी ने मेरे अभिनय को नई दिशा दी। इन भूमिकाओं को दर्शकों से जितना प्यार मिला, वह मेरी उम्मीदों से कहीं ज्यादा है। हर किरदार ने मुझे एक अलग तरह से बदला, एक कलाकार के रूप में संवारा और यह सफर मेरे लिए बेहद सीखने का अवसर रहा।'' उन्होंने कहा, ''जब मैं अपने सफर के बारे में बात करती हूं, तो मुझे हमेशा याद आता है कि मैंने स्टोरीटेलिंग से प्यार क्यों किया था। मेरे लिए अभिनय सिर्फ काम नहीं, बल्कि एक एहसास है, जो लगातार सीखने और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। जब दर्शक मेरे अभिनय को समझते हैं, महसूस करते हैं और उसकी सराहना करते हैं, तो यह एक कलाकार के तौर पर बहुत भावुक और संतोष देने वाला अनुभव होता है। इसी वजह से मैं आईएफपी के प्लेटफॉर्म पर दर्शकों से मिलकर अपने अनुभव साझा करने के लिए उत्साहित हूं।''

बता दें कि आईएफपी महोत्सव में हर साल बॉलीवुड के जाने-माने कलाकार, निर्देशक और उद्योग विशेषज्ञ वक्ता, मेंटर्स और जजों के रूप में शामिल होते हैं। यह नए और स्वतंत्र फिल्म निर्माताओं, लेखकों और कंटेंट क्रिएटर्स को अपना काम दिखाने के लिए एक बड़ा मंच प्रदान करता है। यहां से कई उभरते हुए टैलेंट को बॉलीवुड और ओटीटी प्लेटफार्मों में काम करने का मौका मिलता है। शेफाली ने कहा कि आईएफपी ने ऐसा माहौल बनाया है जहां कलाकार और दर्शक एक-दूसरे से ईमानदारी के साथ जुड़ते हैं। यह मंच क्रिएटर्स को न सिर्फ अपनी कला दिखाने का अवसर देता है, बल्कि विचारों का ऐसा खुला आदान-प्रदान करवाता है जो उन्हें और भी बेहतर बनाने में मदद करता है। इसी कारण वह इस साल के आयोजन का हिस्सा बनने को लेकर बेहद खुश और रोमांचित हैं।

आईएफपी सीजन 15 इस बार 29 और 30 नवंबर को मुंबई के मशहूर महबूब स्टूडियो में आयोजित होने जा रहा है। यह दो दिन का बड़ा आयोजन देशभर के कलाकारों, फिल्मकारों, कंटेंट क्रिएटर्स और नए प्रयोग करने वाले रचनात्मक लोगों को एक मंच पर लाएगा। हर साल की तरह इस बार भी आईएफपी में ऐसे कई प्रतिभाशाली चेहरे शामिल होंगे, जिनके काम और विचार भारतीय क्रिएटिव इंडस्ट्री का भविष्य तय कर रहे हैं। यह आयोजन उन सभी लोगों के लिए खास है, जो नई कहानियों, नए संगीत, नए विचारों और नए प्रयोगों की तलाश में रहते हैं।

समाज को चरित्र निर्माण, संस्कार और व्यसनमुक्त जीवन की आवश्यकता है : संत रश्मिकुमार

पूर्व राज्यपाल डॉ. तमिलिसाई सौंदराराजन के निवास पर पहुंचे तेरापंथ जैन मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तेरापंथ धर्मसंघ के संत रश्मि कुमार जी एवं मुनि श्री प्रियांशु कुमार जी चेन्नई के विभिन्न उपनगरों में विहार करते हुए तेलंगाना की पूर्व राज्यपाल एवं वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ. तमिलिसाई सौंदराराजन के विशेष आग्रह पर उनके निवास स्थान पहुँचे।

मुनिश्री के आगमन पर भारतीय जनता पार्टी के सेंट्रल, साउथ और नॉर्थ चेन्नई जिलों के अध्यक्षों सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने मुनिश्री का स्वागत किया।

दलपतसिंह भायल ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान मुनि श्री रश्मि कुमार जी ने आचार्य श्री महाश्रमण जी के निर्देशन में संचालित नैतिकता, सद्भावना और नशा मुक्ति यात्रा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज समाज को सबसे अधिक आवश्यकता चरित्र निर्माण, संस्कारों और व्यसनमुक्त जीवन की है। उन्होंने कहा, जब व्यक्ति स्वयं को संयमित करता है, तो परिवार, समाज और राष्ट्र तीनों की शक्तियों में वृद्धि होती है। वहीं मुनि श्री प्रियांशु कुमार जी ने कहा कि आध्यात्मिक चेतना ही मनुष्य को भीतर से दृढ़ बनाती है और यही शक्ति समाज और राष्ट्र के कल्याण की आधारशिला है। पूर्व राज्यपाल डॉ. तमिलिसाई सौंदराराजन ने संत-सान्निध्य को अपने जीवन का सौभाग्य बताते हुए कहा कि संतों का मार्गदर्शन समाज को सही दिशा देने का कार्य करता है।

उन्होंने नशामुक्ति और नैतिक जीवन जैसे अभियानों को समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बताया। इस गरिमामय अवसर पर गुड़ियात्तम से संजय गिरिया एवं संदीप गिरिया भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। श्रद्धालुओं ने मुनिश्री से आत्मिक शांति, सामाजिक सद्भाव और विश्व कल्याण हेतु आशीर्वाद प्राप्त किया।

खाताधारक ने ओटीपी को नहीं दी मंज़ूरी फिर भी रात साढे तीन बजे बैंक खाते से उड़ गए 90 हज़ार

बेंगलूरु निवासी रितु माहेश्वरी ने एचडीएफसी बैंक पर लगाए गंभीर आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। सामान्यतया कहा जाता है कि घर में नक़द राशि रखने के बजाय बैंक खाता खोलकर उसमें पैसा रखना ज्यादा सुरक्षित होता है लेकिन बेंगलूरु निवासी युवती रितु माहेश्वरी का अनुभव इस मामले में बहुत कटु है। उन्होंने आरोप लगाया है कि उनकी मंजूरी के बगैर उनके एचडीएफसी बैंक खाते से 90,900 रुपए निकाल लिए गए और बैंक अब संतोषजनक जवाब देने के बजाय अपनी ज़िम्मेदारी से पल्ला झाड़ने की कोशिश कर रहा है। रितु ने कहा है कि बैंक की ओर से सुरक्षा में गंभीर चूक हुई है और धोखाधड़ी की तुरंत रिपोर्ट करने के बावजूद लगभग दो माह बीत जाने पर भी कोई समाधान नहीं हुआ है। रितु माहेश्वरी का कहना है कि बैंक की ओर से न तो कोई कार्रवाई की जा रही है और न ही कोई संतोषजनक जवाब दिया जा रहा है ।

खाताधारक रितु माहेश्वरी ने आरोप लगाया है कि एचडीएफसी बैंक ने आरबीआई के मास्टर सर्कुलर का पालन नहीं किया है। इस सर्कुलर के अनुसार, अगर ऐसे ट्रांज़ेक्शन की रिपोर्ट तय अवधि के अंदर की जाती है और खाताधारक ने कोई लापरवाही नहीं की है तो उसकी (खाताधारक की) देनदारी शून्य होती है। माहेश्वरी ने आरोप लगाया कि उन्होंने आरबीआई की सभी शर्तों का पालन किया और घटना के एक घंटे के अंदर ट्रांज़ेक्शन की रिपोर्ट बैंक को कर दी थी। इसके बावजूद बैंक ने उनकापैसा रिफंड नहीं दिया है। रितु ने **दक्षिण भारत राष्ट्रमत** को बताया कि उनका बचत खाता एचडीएफसी बैंक की बेंगलूरु स्थित बीटीएम लेआउट-3 शाखा में है। घटना गत 1 अक्टूबर की है, जब अलसुबह वह सो रही थीं, उस समय 3.24 बजे से 4.03 बजे के बीच उनके खाते से 30,300 रुपए के तीन ट्रांज़ेक्शन के ज़रिए कुल 90,900 रुपए निकाल लिए गए। रितु माहेश्वरी ने कहा कि उन्होंने न तो ट्रांज़ेक्शन को मंज़ूरी दी और न ही ओटीपी, पिन या कोई भी गोपनीय जानकारी किसी से साझा की। बैंक को इसकी जानकारी उन्होंने उसी समय 4.37 बजे दे दी। इसके आधार पर 1 अक्टूबर को सुबह 7.20 बजे बैंक ने शिकायत रजिस्टर कर ली। यह आरबीआई द्वारा तय की गई रिपोर्टिंग अवधि की सीमा के अंदर था। यहां यह बताना महत्वपूर्ण है कि मेरे द्वारा बैंक को 4.37 बजे सूचित करने से भी पहले ही बैंक ने 4. 09 बजे कथित ट्रांजेक्शन को संदिग्ध बताते हुए मेरा कार्ड ट्रांजेक्शन ब्लॉक कर दिया था।

रितु माहेश्वरी ने रेखांकित करते हुए कहा कि 1 अक्टूबर सुबह 4.09 बजे बैंक के एक प्रतिनिधि ने ईमेल से माना कि ट्रांज़ेक्शन 'संदिग्ध' था और मुझे संदेश देकर सूचित किया कि मेरा डेबिट कार्ड ब्लॉक कर दिया गया है। इससे साफ पता चलता है कि बैंक की ओर से ही सुरक्षा में कोई चूक हुई थी तभी तो खाताधारक द्वारा शिकायत करने से भी पहले बैंक ने कार्ड ब्लॉक कर दिया था। अब अचानक क्या हुआ कि उसी 'संदिग्ध' ट्रांजेक्शन को 'अधिकृत' बताया जा रहा है ? बैंक यह नहीं बता रहा है कि दो दिन में ही ट्रांजेक्शन संदिग्ध से 'अधिकृत' कैसे हो गया?

बैंक ने पहले तो ट्रांजेक्शन को संदिग्ध बताया और अब बता रहा 'अधिकृत'

माहेश्वरी ने कहा कि रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित समयसीमा में घटना की सूचना देने और सभी सहायक दस्तावेज उपलब्ध कराने के बावजूद उन्हें (रितु को) अब तक न तो कोई रिफंड मिला और न ही बैंक से कोई संतोषजनक जवाब मिला है। उन्होंने फिर से रेखांकित करते हुए कहा कि 1 अक्टूबर सुबह 4.09 बजे बैंक के एक प्रतिनिधि ने ईमेल से माना कि ट्रांज़ेक्शन 'संदिग्ध' था और मुझे संदेश देकर सूचित किया कि मेरा डेबिट कार्ड ब्लॉक कर दिया गया है। इससे साफ पता चलता है कि बैंक की ओर से ही सुरक्षा में कोई चूक हुई थी तभी तो खाताधारक द्वारा शिकायत करने से भी पहले बैंक ने कार्ड ब्लॉक कर दिया था। अब अचानक क्या हुआ कि उसी संदिग्ध ट्रांजेक्शन को अधिकृत बताया जा रहा है ? बैंक यह नहीं बता रहा है कि दो दिन में ही ट्रांजेक्शन संदिग्ध से अधिकृत कैसे हो गया?

किसके खाते में गई राशि, इसकी जानकारी क्यों नहीं देता बैंक ?

माहेश्वरी ने दावा किया कि 1 अक्टूबर को ट्रांजेक्शन को संदिग्ध और 3 अक्टूबर को बैंक के संदेश में उसी ट्रांज़ेक्शन को 'ऑथराइज़्ड' कहकर अपने द्वारा पहले कही गई बात को गलत बताया गया। अब बार बार उस ट्रांजेक्शन को 'आथराइज्ड' साबित करने की कोशिश की जा रही है और मजे की बात यह है कि पैसा किसके खाते में गया इसकी भी जानकारी नहीं दी जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया है कि ऐसा बैंक की कार्यशैली में और पारदर्शिता में गंभीर कमी और गड़बड़ी को दर्शाता है। रितु का कहना है कि उनके द्वारा कई बार लिखित निवेदन किए जाने के बावजूद बैंक ने बेनिफिशियरी अकाउंट डिटेल्स, ट्रांज़ेक्शन ट्रेल, डिवाइस आईडी, आईपी लॉग्स आदि का कोई प्रमाण नहीं दिया जा रहा है कि उससे हमें असलियत का पता चल सके। उन्होंने आरोप लगाया कि कथित आंतरिक मिलीभगत और कर्मचारियों की लापरवाही के बिना ऐसा होना संभव नहीं है। उनका कहना है कि बैंक के इस रवैये की वजह से उन्हें बहुत मानसिक और आर्थिक परेशानी उठानी पड़ रही है। इस संदर्भ में दक्षिण भारत राष्ट्रमत ने बैंक का पक्ष भी जानना चाहा लेकिन उन्होंने कोई रुचि नहीं दिखाई।

नवंबर में ही चेन्नई में एचडीएफसी बैंक का एक प्रबंधक चोरी के आरोप में गिरफ़्तार

रितु माहेश्वरी ने कहा कि हाल ही में गत 13 नवंबर को वेलाचेरी चेन्नई स्थित एचडीएफसी बैंक के एक मैनेजर को गिरफ़्तार किया गया क्योंकि उसने एक एनआरआई खाताधारक के बैंक लाकर से लगभग 20 लाख रूपए से अधिक क़ीमत के गहने ग़ायब कर दिए थे। प्रबंधक की मिलीभगत के आरोप पर गिरफ़्तारी हुई थी और मीडिया रिपोर्टों के अनुसार प्रबंधक ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया था। इस घटना से मेरा यह संदेह गहराना स्वाभाविक है कि एचडीएफसी बैंक की शाखाओं में न तो नक़द सुरक्षित है और न लाकर में रखे गए आभूषण एवं दस्तावेज ही सुरक्षित हैं।

साधना में भाव और भक्ति का विश्वास होता है 'अमृत स्वरुप' : राष्ट्रसंत कमलमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के न्यू धोबीपेट स्थित एसएस जैन संघ में शुक्रवार को राष्ट्रसंत कमलमुनिजी कमलेश ने कहा कि हमारे द्वारा की गई साधना में भाव और भक्ति का विश्वास होता है तो अमृत का काम करता है और धन बल और बाहु बल का समावेश होता है तो हला हल जहर का काम करता है। जैन दिवाकर श्री चौथमल जी महाराज की 75वीं पुण्यतिथि पर संबोधित करते कहा संतश्री ने कहा कि भक्ति बल के सामने देव शक्तियां समर्पित होकर उनके चरणों की माटी मस्तक पर लगाती है। उन्होंने कहा कि धर्म की जाजम पर धनबल का प्रदर्शन करना, उसको प्राथमिकता देना, उसके सहारे आगे आना,भाव भक्ति से परिपूर्ण आत्मा का को अनदेखा कर अहंकार का पोषण करके परमात्मा का अपमान करना है। दादागिरी करके धर्म की जश्र जाजम पर धाक जमा सकते हैं परंतु सामान्य जनता के दिल को जीत कर लोकप्रिय नहीं बन सकते, परमात्मा की निगाह में महान नहीं बन सकते।

राष्ट्रसंत ने कहा कि अंतर मन में जब तक धर्म के प्रति अंत:करण से समर्पण भक्ति विनय और विवेक के निस्वार्थ भाव नहीं आएंगे तब तक धार्मिकता में प्रवेश नहीं होगा। परमात्मा के दिल को जीतने के लिए धनबल और बाहुबल सबसे बड़ा बाधक तत्व है। मानवीय गुणों का पतन भी होता है और आत्मा दुर्गति का मेहमान बनती है। धर्म की जाजम पर न कोई छोटा, न कोई बड़ा, न कोई गरीब, न कोई अमीर, सब के प्रति सम्मान भावों का आत्मा में निर्माण होना सच्चा धार्मिकता का लक्षण है। जिनाज्ञा सेवा समिति की संयोजिका मधु बोहरा ने ने आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी।

जीतो साउथ लेडीज़ विंग ने 'ग्लो योग' कार्यक्रम का किया आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन इंटरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन (जीतो) साउथ लेडीज़ विंग ने गुरुवार को जीतो कार्यालय चामराजपेट में 'ग्लो योग' कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम स्वास्थ्य एवं पोषण परियोजना के अंतर्गत आयोजित किया गया जिसमें 120 प्रतिभागियों ने भाग लिया। चेयरपर्सन बबीता रायसोनी ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि विवाह सीज़न में महिलाओं पर कई जिम्मेदारियाँ होती हैं, फिर भी यह वही समय है जब हर महिला सबसे खूबसूरत और आत्मविश्वासी दिखना चाहती है। उन्होंने कहा, ग्लैम योग का उद्देश्य यही था कि हमारी सभी सदस्याएँ इस व्यस्त मौसम में भी प्राकृतिक चमक और आत्मविश्वास के साथ उदित हों।झ्वाइस चेयरपर्सन नीलम सांड ने कहा कि एक महिला का चेहरा केवल उसकी सुंदरता नहीं, बल्कि उसकी भावनाओं का दर्पण होता है। कार्यक्रम में प्रशिक्षिका मीनाक्षी सोलंकी ने फेश योग के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि फेश योग से चेहरे की मांसपेशियों में टोनिंग आती है, त्वचा में इलास्टिसिटी बढ़ती है, रक्त संचार सुधरता है और नियमित अभ्यास से चेहरे को प्राकृतिक लिफ्ट मिलता है। प्रतिभागियों ने ग्लो, पिगमेंटेशन, जॉलाइन, अंडर-आई इश्यूज़ और एंटी-एजिंग से जुड़े कई सवाल पूछे। फ़्लोर एंड फ़ैन्सी की रुत्वी शाह ने सभी प्रतिभागियों को हेल्दी क्विनोआ चॉकलेट केक उपहार में दिया।

सह सचिव साक्षी नाहर, अस्मिता चौहान, वनिता बच्छावत, तरुणा मेहता और निशा कोठारी ने व्यवस्था संभाली। संयोजिका सोमना सिसोदिया ने कार्यक्रम का संचालन किया और सहसंयोजिका हेमा सोलंकी ने धन्यवाद दिया।

'एस्टर' ने एपिलेप्सी निवारण के लिए 'सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस' लॉन्च किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारत के सबसे बड़े इंटीग्रेटेड हेल्थकेयर प्रोवाइडर्स एस्टर डीएम हेल्थकेयर ने शहर में एपिलेप्सी(मिर्गी) निवारण के लिए अपना 'सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस' लॉन्च किया। यह एक खास एडवांस्ड केयर सेंटर है जिसे एपिलेप्सी से पीड़ित लोगों के लिए पूरी तरह से डायग्नोसिस, एडवांस्ड ट्रीटमेंट और लंबे समय तक मैनेजमेंट देने के लिए डिज़ाइन किया गया है। 'एस्टर ग्लोबल इंस्टीट्यूट फॉर एडवांस्ड एपिलेप्सी केयर' नाम के इस सेंटर का औपचारिक उद्घाटन मशहूर साउथ अफ़्रीकी क्रिकेटर जोंटी रोड्स ने किया, जिन्होंने खुद भी ज़िंदगी में पहले एपिलेप्सी पर जीत हासिल की थी।

एयरपोर्ट रोड स्थित एस्टर सीएमआई हॉस्पिटल में मौजूद सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस, मरीज़ों के लिए तेज़ी से जांच और ज़्यादा असरदार इलाज पक्का करने के लिए बहुत ज़्यादा ट्रेंड स्पेशलिस्ट, लेटेस्ट न्यूरोडायग्नोस्टिक टूल्स और सबूतों पर आधारित क्लिनिकल प्रोटोकॉल को एक साथ लाएगा। इस सेन्टर का उद्देश्य फोकस्ड एपिलेप्सी केयर की बढ़ती ज़रूरत को पूरा करना है, खासकर उन लोगों के लिए जिन पर दवाओं का ठीक से असर नहीं होता।

लॉन्च मौके पर एस्टर डीम हेल्थकेयर इंडिया के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर रमेश कुमार एस ने कहा कि इस एडवांस्ड एपिलेप्सी केयर की स्थापना पूरे भारत में स्पेशल न्यूरोलॉजिकल केयर को मजबूत करने के हमारे मिशन में एक महत्वपूर्ण कदम है। एस्टर में, हम इंटीग्रेटेड, पेशेंट-सेंट्रिक सिस्टम बनाने पर फोकस कर रहे हैं जो क्लिनिकल एक्सपर्टीज, एडवांस्ड डायग्नोस्टिक्स और इनोवेशन को मिलाते हैं। एस्टर ग्लोबल इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूरोसाइंसेज के डायरेक्टर और हॉस्पिटल के लीड कंसल्टेंट न्यूरोसर्जरी डॉ. रवि गोपाल वर्मा ने कहा कि एपिलेप्सी सर्जरी उन रोगियों को उम्मीद देती है जो दौरे की अनिश्चितता के साथ जीते हैं।

गुरुदेव सुमतिप्रकाश का जीवन तप-धर्म को समर्पित था : डॉ समकितमुनि

तप, त्याग व गुणस्मरण के साथ मनाया गया गुरुदेव सुमतिप्रकाश का पुण्य स्मरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां माम्बलम टी. नगर स्थित जैन स्थानक में विराजित डॉ. समकित मुनिजी के सान्निध्य में तपस्वी राजर्षि गुरुदेव श्री सुमतिप्रकाशजी की द्वितीय पुण्य स्मृति गुणानुवाद एवं सामायिक दिवस के रुप में मनाई गई। सैकड़ों श्रावक-श्राविकाओं ने इस मौके पर उपस्थित हो 2-2 सामायिक कर अपनी श्रद्धा प्रकट की एवं गुरुदेव को स्मरण किया।

डॉ. समकित मुनिजी ने अपने गुरुदेव के पुण्य स्मरण करते हुए कहा कि गुरुदेव आगम में वर्णित आठों ही संपदाओं से युक्त थे। कठोर संयम आचार का पालन गुरुदेव करते थे। श्रुत संपदा के ऐसे वो धनी थे कि उन्होंने जिसे भी श्रुत दिया उसका बेड़ा पार कर दिया। उनकी रुप संपदा ऐसी थी कि उम्र बढ़ने के साथ-साथ उनकी साधना का तेज चेहरे से स्पष्ट झलकता था। गुरुदेव वचन सिद्ध योगी थे, जो बोलते थे वह पत्थर की लकीर होता था। जिसे वह बोध देते थे वह जिनशासन में समर्पित हो जाता था। समस्त संत सतीवृंद के पालनहार थे गुरुदेव। ई. सन 1971 में तपस्या के माध्यम से गंभीर बीमारी से बाहर निकले । इस घटना को दोहराते हुए डॉ. समकित मुनि जी म. ने कहा कि जिस तप ने गुरुदेव को जीवनदान दिया, उसी तपस्या को अपना समग्र जीवन गुरुदेव ने समर्पित कर दिया। हमारी जिन्दगी में भी मौके आते हैं, धर्म के लिए कुछ करने के लिए, लेकिन हम धर्म के माध्यम से जिन्दगी बचाना तो चाहते हैं मगर जिन्दगी को धर्म में लगाना नहीं चाहते। वर्तमान में धर्म चमत्कार नहीं दिखाता इसका कारण यह नहीं कि धर्म का प्रभाव कम हो गया अपितु हमारी श्रद्धा में कमी आ गई है। धर्म का प्रभाव त्रिकाल होता है। हर समस्या का समाधान त्याग, तप और धर्म में है। हर संकट से पार लगाने का सामर्थ्य धर्म में है। धर्म ने हमें सब कुछ दिया है मगर हम धर्म के साथ बेइमानी कर रहे हैं। गुरुदेव ने अपना जीवन तप-धर्म को समर्पित किया जिसकारण से ही वे महान चरित्रनायक बनकर सामने आए। धर्म के लिए सर्वस्व समर्पित होना पड़ता है तभी उसका प्रत्यक्ष प्रभाव देखने को मिल सकता है।

संतश्री ने कहा कि गुरुदेव श्री सुमति प्रकाश जी अपने बाल्यकाल में ऐसा स्वप्न देखा जो जीते जी साकार नहीं हो सकता था। उस स्वप्न को साकार करने हेतु उन्होंने 65 वर्ष तक कठोर संयम का पालन किया और पंडित मरण सहित अपना स्वप्न पूरा किया। नवकार महामंत्र, मौन और तपस्या का अनूठा संगम उनके जीवन में था। वह स्वयं से नहीं अपितु प्रत्येक आगंतुक को धर्म से जोड़ते थे। जयवंत मुनिजी द्वारा गुरु पुण्य स्मरण पर विशेष गुरु भक्ति गीत प्रस्तुत किया गया।

गोठी को शांति दूत अलंकरण प्रदान

इस मौके पर अखिल भारतीय समकित यात्रा राष्ट्रीय परिषद द्वारा 12 व्रतधारी उत्तमचन्द गोठी को 'शान्ति दूत' अलंकरण से सम्मानित किया गया। संगीतकार श्रेणिक नाहर, एसएस जैन महिला मंडल, पारसमल नाहर, संघ के एटीएम के सदस्यों ने स्तवन प्रस्तुत किए। संघ के मंत्री महेन्द्र गादिया ने गुरुदेव सुमतिप्रकाश के बहुआयामी जीवन का परिचय रखा। श्रावक गौतमचंद गोठी ने 101 मौन उपवास का संकल्प लेकर गुरुदेव के चरणों में श्रद्धा भक्ति प्रस्तुत की। संघ के अध्यक्ष उत्तमचन्द गोठी ने संचालन किया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Aditya at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.